

SURAJ



छोटी छोटी आदत सुधार से,
लाये जीवन में बड़े बदलाव



हम
आत्मनिर्भर



आत्मनिर्भर
EVERYONE



Suraj School Kosli

INDEX

Sr.	Title	Page
1	Front Page	1
2	Index Page	2
3	Founder's Desk	3
4	Editorial Board	4
5	आत्मनिर्भर भारत	6-7
6	Staff Articles	8-25
7	Student Articles	26-38
8	Art Gallery	39-42
9	Sudoku Puzzle	43
10	Hindi Crossword	44

ADMISSION OPEN

NEW SESSION 2022 -23

Nursery to XI

Gurgaon +91 874 591 2222 | +91 82229 99803

www.surajschoolgurugram.com | www.surajschoolgurgaon.com

From The Founder's Desk

Dear Readers,

It's a matter of great pride that we're coming up with the latest issue of our magazine 'Urja'. I am very happy and delighted with the overwhelming response that our magazine has been receiving. The editors' team tells me that there is an influx of articles and other literary materials from students, teachers, staff and Principals. I personally apologise to those students, parents, teachers and other members of the 'Suraj' family whose articles have not been published due to paucity of space. I sincerely request the editorial board to create more space so that our magazine is able to convey more ideas, view points and expressions.

The magazine gives an insight into the philosophy of 'Suraj Education Group' and the activities and the endeavours into forming a creative and stimulating atmosphere for our students. This magazine is a platform that exhibits the literary skills and innovative ideas of students and teachers. 'Urja' epitomizes the hard work, sincerity and dedication of students and contribution of our teachers. I would like to thank my editorial team for helping me in this endeavour. I express my heartfelt appreciation to the budding authors of our magazine.

Douglas Pagels' beautiful lines come to my mind "Each new day is a blank page in the diary of your life. The secret of success is in turning that diary into the best story you possibly can."

It's your chance to write a beautiful story of your life. Write it!

This is just a beginning. More issues of our magazine will follow and I request and invite the 'Suraj' family - school Principals, teachers, staff, students and parents to be a part of this monthly magazine. It will be an honour and a matter of pride.

Best Wishes!!

Jagdish Prasad (Founder & Chairman of Suraj Education Group)



From The Director's

मैं सभी अभिभावकों से अनुरोध करती हूँ कि सभी अभिभावक अपने अपने बच्चों में आत्मनिर्भरता लाने का प्रयास करें। उन्हें अपने बिस्तर पर बैठे बैठे खाना - पानी इत्यादि ना परोसे, बल्कि खाना लेना और खाना खाने के बाद अपने जूते

बर्तन सही जगह पे रखना, अपना सोने से पहले बिस्तर लगाना और उठने के बाद वापिस रखना, स्कूल जाते वक़्त अपने कपड़े स्वयं लेना, स्कूल से वापिस आकर बदलना इत्यादि, ऐसे छोटे छोटे काम स्वयं से करवाने कि आदत डालना ना सिर्फ़ उनके बच्चों के जीवन में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाएगा, बल्कि उनके बच्चों के लिए एक सुनहरा भविष्य तैयार करेगा।

पुष्पा यादव
निदेशक
सूरज एजुकेशन ग्रुप



From The Editor's Desk

This magazine is indeed a pious and our sincere attempt to make our budding talents give shape to their creativity, appreciate and recognize their work because I believe that success depends upon our power to perceive, the power to observe and the power to explore.

I take the opportunity to thank all the contributors as their contribution is the reason that makes this magazine into a reality.

Thanking You!

Vikas Bansal
(Chief Editor)
URJA Magazine

EDITORIAL BOARD

EDITOR – IN - CHIEF

Mr. Sandeep Prasad
URJA Magazine

EDITOR – IN - CHIEF

Mr. Abhishek Srivastava
URJA Magazine

EDITOR - IN - CHIEF

Mr. Vikas Bansal
URJA Magazine

Campus Editors



DR. MONIKA GUPTA

info@surajeducation.com

**DEGREE COLLEGE
MAHENDERGARH**



JOGENDER SINGH

editorkosli@surajschool.com

KOSLI



KANIKA GHAI

editorggn56@surajschool.com

GN-SEC. 56



NEERU

editorrewari@surajschool.com

REWARI



BHAWANA CHAUHAN

surajcollege75@gmail.com

**DEGREE COLLEGE
GURGAAON**



SANJANA KATOCH

editorbawal@surajschool.com

BAWAL



DR. SEEMA AHUJA

editorggn75@surajschool.com

GGN-SEC. 75



ANJU YADAV

editorpataudi@surajschool.com

PATAUDI



RAMESH BHATIA

editorbhiwadi@surajschool.com

BHIWADI



NAMITA

editormgh@surajschool.com

MAHENDERGARH

Graphic Editor :

Ms. Kanika

Ms. Sheeba Saifi

News Editor :

Ms. Sapna Bansal

Publication

Distribution

Mr. Niti Gupta

(SEO Expert)

Ms. Shruti

(Social Media Expert)

Ms. Chanchal

(Newsletter)



अपने हृदय में नये नये सपने सजाओ, खुद को और
भारत को आत्मनिर्भर बनाओ।

**ADMISSION
OPEN**

NEW SESSION 2022-23

Call us : +91 874591 2222



हम आत्मनिर्भर

आत्मनिर्भर सोच से बनेगा, आत्मनिर्भर भारत, आज का छात्र अगर अपने जीवन में आत्मनिर्भर सोच पे ज्यादा विश्वास करेगा तो आत्मनिर्भर भारत का भी सपना जल्द ही पूरा होगा। किसी भी देश, समाज, समूह के पीछे एक विद्यार्थी का ही विशेष योगदान होता है। विद्यार्थी देश का भविष्य होता है अगर आज हम सब मिलकर उसे एक उचित दिशा दिखाने का काम करते है तो हम अपने देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदारी निभा सकते है।

मुझे ऐसा लगता है कि अगर भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है तो इसके लिए विद्यार्थी मददगार साबित हो सकते हैं। विद्यार्थी जितना उत्साहवर्धक, देशप्रेमी और कौशलयुक्त होगा उतना ही एक देश के विकास के लिए और उसकी उन्नति और तरक्की के लिए प्रबल दावेदार होगा। विद्यार्थी जीवन वह समय होता है जब उसके अंदर एक गजब का आत्मविश्वास, उत्साह, ऊर्जा और जोश भरा रहता है। और उनके मन में प्रतिदिन नए-नए विचार, नई-नई योजनाएं आकार लेने लगती हैं जिसमें असंभव को संभव कर दिखाने का जज्बा समाया रहता है।

एक सही मार्गदर्शन, उनके अंदर की अपार क्षमताओं, संभावनाओं और असीमित ऊर्जा को एक सही दिशा दे सकते है। इसी तरह के कार्य में सूरज एजुकेशन ग्रुप अंतिम ३ दशकों से भी ज्यादा से काम कर रहा है।

छात्रों को स्वतंत्र शिक्षार्थी बनने में कैसे मदद करें?

ज़रूरत है कि हम सब अपनी अपनी सोच बदले. आत्मनिर्भर भारत के लिए ज़रूरी है कि सबसे पहले सोच आत्मनिर्भर हो। सूरज एजुकेशन ग्रुप के संस्थापक श्री जगदीश प्रसाद जी के दिशा निर्देश अनुसार, हम छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है और उनके बनाये और दिखाए मार्ग पर चलने का प्रयास करते है।

हमने अपने स्कूल का पाठ्यक्रम कुछ इस तरीके से डिज़ाइन किया है की छात्र छोटी छोटी आदत में बदलाव लाकर आत्मनिर्भर छात्र बन सके, मैं आज उनमें से कुछ आपके साथ सांझा कर रही हूँ।

1 गृह कार्य स्वयं करे

हमारे यहाँ से शख्त निर्देश होते है की सभी छात्र अपना होमवर्क स्वयं करे वो अभिभावक से उचित दिशा निर्देश या मार्गदर्शन ले पर अपने स्कूल का होमवर्क वो स्वयं करे। इसके अतिरिक्त जब भी स्कूल की तरफ से उन्हें कोई भी प्रोजेक्ट या असाइनमेंट दिया जाता है तो उसमें भी कम से कम सहयोग लेने के लिए बोला जाता है और बहुत बार इस तरह के प्रोजेक्ट स्कूल में ही अध्यापक द्वारा करवाया जाता है ताकि विद्यार्थी अपने आप पूरा कार्य कर सके।

2 कुछ भी कार्य करने से पहले पूरी तैयारी करके बैठे :

हम लोग अक्सर देखते है की छात्र पढ़ने बैठते है और तभी उन्हें याद आता है कि उनकी पेंसिल शार्प नहीं है, रफ़ नोट बुक नहीं है कभी उन्हें प्यास लग जाती है या फिर भूख लग जाती है। सूरज स्कूल कि निदेशक होने के नाते हम अपने सभी अध्यापको को इसके लिए प्रशिक्षण देते है कि कक्षा शुरू होने से पहले सभी विद्यार्थी पानी खाना इत्यादि के लिए कक्षा के बीच में ना बोले। और ना ही उन्हें कही जाना पड़े।

३ दैनिक दिनचर्या का काम स्वयं करे :

एक निदेशक और अभिभावक होने के नाते मेरी हमेशा से यह कोशिश रहती है कि एक विधार्थी अपने जीवन में जितना जल्दी हो सके दैनिक दिनचर्या का कार्य स्वयं करे जैसे कि नहाना, टूथब्रश करना, कपडे पहनना, भोजन करना, होम वर्क करना इत्यादि। जितना जल्दी ये सब वो स्वयं करेगा ना सिर्फ उसके लिए बल्कि अभिभावक के लिए भी अच्छा होगा।

४ छोटे और बड़े निर्णयों को स्वयं लेने के लिए प्रेरित करना :

जैसे जैसे बच्चे बड़े होते है, उन्हें हर कदम पर निर्णय लेने होते है, जैसे कि 10th के विधार्थी को सोचना है कि उसे विज्ञान, वाणिज्य, कला में किस दिशा में अपना करियर बनाना है। उसके लिए हम हर वर्ष 7th क्लास से बड़े बच्चो को सभी विषयो कि जानकारी और उनसे सम्बंधित भविष्य इत्यादि के बारे में बताते है। हमारे पास कुछ विधार्थी ऐसे परिवार से भी आते है जिनके परिवार में कोई ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है या फिर उनको नहीं पता है कि उनके बच्चे के लिए कौन से स्टीम अच्छी रहेगी, हम अपने स्कूल में मेंटर का कल्चर रखा है, जिसके तहत हम हर एक विधार्थी को एक मेंटर के साथ जोड़ देते है, जो उस छात्र और उनके अभिभावक से लगातार संपर्क में रहता है और उनका उचित मार्गदर्शन करता है।

५ टूशन क्लास v/s एक्स्ट्रा क्लासेज

कुछ अभिभावक अपने बच्चो को टूशन के माध्यम से पढ़ाते है, में इसे एक अच्छा विकल्प नहीं मानती। अगर विधार्थी को स्वयं अध्ययन कि आदत हम लगवा पाए तो यह उसके लिए पूरे जीवन में काम आती है। उसके लिए हमने अपनी सभी स्कूल शाखा में अतिरिक्त कक्षाओं का प्रावधान रखा है। हम सभी विधार्थियों की यह एक आदत में सुधार ला सकते है और ये छोटी छोटी आदते उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

में सभी अभिभावको से अनुरोध करती हूँ कि सभी अभिभावक अपने अपने बच्चो में आत्मनिर्भरता लाने का प्रयास करे। उन्हें अपने बिस्तर पर बैठे बैठे खाना - पानी इत्यादि ना परोसे, बल्कि खाना लेना और खाना खाने के बाद अपने जूठे बर्तन सही जगह पे रखना, अपना सोने से पहले बिस्तर लगाना और उठने के बाद वापिस रखना, स्कूल जाते वक़्त अपने कपडे स्वयं लेना, स्कूल से वापिस आकर बदलना इत्यादि, ऐसे छोटे छोटे काम स्वयं से करवाने कि आदत डालना ना सिर्फ उनके बच्चो के जीवन में एक बड़ा सकारात्मक परवर्तन लाएगा, बल्कि उनके बच्चो के लिए एक सुनहरा भविष्य तैयार करेगा।

में पुष्पा यादव, निदेशक सूरज एजुकेशन ग्रुप, इस ऊर्जा पत्रिका के माध्यम से आप सभी से यह अनुरोध करना चाहती हूँ कि जहाँ तक हो सके स्वदेशी वस्तुओं का ही प्रयोग करे हमें अधिक से अधिक स्वदेशी स्तुओं का उपयोग करना चाहिए। इससे न सिर्फ हमारे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी उसके साथ साथ हमारे देश में नए उद्योग निर्मित होंगे, रोज़गार खुलेंगे और गरीबी जैसी भयंकर समस्या जल्द ही समाप्त होगी। अगर हम सब आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी हमारा देश आत्मनिर्भर बनेगा तो किसी भी संसाधन की कोई कमी नहीं होगी।

धन्यवाद!

**पुष्पा यादव
निदेशक
सूरज एजुकेशन ग्रुप**



हर एक आत्मनिर्भर

आत्मनिर्भर शब्द का मतलब:

आत्मनिर्भर शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, 'आत्म' और 'निर्भर', यह संस्कृत भाषा से लिया गया शब्द है 'आत्म' शब्द का आशय स्वयं से है और 'निर्भर' शब्द से आशय उन सभी कामों से है जो आप खुद करते हैं या दूसरों से करवाते हैं।

दुनिया में सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं फिर चाहें वो व्यक्ति, समाज, शहर हो या राज्य, देश, महाद्वीप आदि ये सब एक दूसरे पर ही निर्भर हैं, और होना भी चाहिए लेकिन किस हद तक? क्योंकि निर्भरता जब अत्यधिक हो जाती है तब ये कमजोर बना देती है। और इसलिए इस कमजोरी को दूर करने के लिए दूसरों पर निर्भरता को कम करते हुए आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

आत्मनिर्भरता का महत्व एवं लाभ:-

- (क) आत्मविश्वास में वृद्धि:- आत्मनिर्भर व्यक्ति में दूसरों से ज्यादा आत्मविश्वास होता है।
- (ख) साहस में वृद्धि:- आत्मनिर्भर व्यक्ति में किसी दूसरे पर निर्भर इंसान की तुलना में अधिक साहस होता है।
- (ग) नेतृत्व के गुण में वृद्धि:- आत्मनिर्भरता से नेतृत्व के गुण में वृद्धि होती है।

आत्मनिर्भरता के नुकसान एवं दोष:-

- (क) द्वेष भाव होना:- आत्मनिर्भरता का गुण व्यक्ति को श्रेष्ठ पद का अधिकारी तो बनाता है, परन्तु इसके साथ ही द्वेष भावना मन में आ जाती है।
- ऐसे में वो किसी को नुकसान पहुंचाने की भी सोच सकता है।
- (ख) मधुरता की कमी होना:- आत्मनिर्भर होना बहुत अच्छी बात है लेकिन अधिक आत्मनिर्भरता कभी-कभी दूसरों के प्रति मधुर संबंधों में कमी पैदा कर सकती है।
- (ग) अहंकार भाव का आना:- ज्यादा आत्मनिर्भर होने का नतीजा यह होता है कि आप के भीतर अहंकार भाव की वृद्धि होने लगती है।

विद्यार्थी जीवन में आत्मनिर्भरता का महत्व :

जैसा की हम सभी जानते हैं आज की नई पीढ़ी पिछली पीढ़ी से काफी समझदार है। परंतु एक सत्य यह भी है कि जो समस्याएं पिछली पीढ़ी के सामने आई थी उससे अधिक समस्याएं नई पीढ़ी के सामने आएगी। इसलिए विद्यार्थी को सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा। हम सभी जानते हैं अब दुनिया के सभी आधुनिक देश प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, 5G आदि क्षेत्रों में सफलता पा रहे हैं इसलिए हमें भी इन क्षेत्रों में प्रयास करना होगा, इसीलिए हमारे प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया। इस नारे को साकार करने में हमारी आने वाली पीढ़ी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होने वाला है। इसलिए हमारे देश के सभी विद्यार्थियों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रहते हुए सभी दिशाओं से ज्ञान अर्जित करना चाहिए, जैसे कम्प्यूटर के क्षेत्र में रुचि उत्पन्न करना, विज्ञान के क्षेत्र में गहनता से अध्ययन करना, ताकि हम भी आधुनिकता के इस दौर में सभी देशों के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें।



AATMA NIRBHAR

In the year 2022 India might face several ups and downs. There will be ample things to see this year. Different countries are trying their best to be the top nation. Now it's time for Indian citizens to be a part of the development of the nation and help India take edge over others. Aatma Nirbhar everyone can be a simple answer to all questions. To become aatma Nirbhar everyone has to think like an entrepreneur. A strong foundation for self-reliant India can be made if everyone knows their potential and can be a part of industries directly. The small scale industry to giant ventures can develop new jobs for youth and make India glorious. It's time people must come out of their comfort zone and try their best to formulate themselves. I will certainly do my part to contribute to aatam nirbhar everyone. I hope you all also helps in thriving the nation and making India proud.

Jonika (Computer teacher)
Suraj School Bhiwadi

Aatam -Nirbhar

Aatam Nirbhar means "Self Reliance' i.e. 'reliance on one's own efforts and abilities'. Self Reliance is trusting your abilities to get through challenges of life on the back of your own resourcefulness. It refers to your ability to provide for yourself without the need for outside help. Being Self Reliant allows you to survive the harshest of winters and the most brutal of summers. It gives you a sense of agency over yourself and your decisions. And while it isn't an excuse to never seek help from others, it means you are no longer at the whim and mercy of those who may have other plans for you. Having self -reliance is important for several reasons. It means you can solve problems and decisions by yourself. This is critical as we grow older and learn to live independently. It allows you to feel happy by yourself, in yourself, and about yourself= without needing to rely on others. It involves developing self-acceptance, a very powerful thing to have and acquiring self knowledge and practicing self-compassion. It gives you a perspective which in turn gives you direction. People who are self dependent are the ones who took their ownership and worked hard for their future goals. Their ownership eventually decreased the load of their family members. They worked on themselves and built their own space with self ~dependence. It makes you capable of achieving goals mentally and physically both. Regardless of any physical disabilities, the more the physically you are capable better you perform. When you become more self-dependent , you can actually work on all your ideas which come to your mind. Innovation is really considered as evaluable commodity. Innovations and creativity make you a strong and powerful asset when you work on your dream plans.

"Children must be taught how to think, not what to think"



Rajendari
Suraj School Rewari

Education



Education is the act of learning things around us. It helps us to easily understand and deal with any problem and makes balance throughout the whole life in every aspect. Education is the first and foremost rights of every human being. Without education we are incomplete and our lives are useless. Education helps us to set a goal and go ahead by working on that throughout the life. It improves our knowledge, skill, confidence level and personality. It empowers us intellectually to interact with others in our life. Education brings maturity and teaches us to live-in society with changing environment. It is the way to social development, economic growth and technological development.

Mamta
Suraj School Rewari

Aatm – Nirbhar Bharat



Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India. It is actually the vision of our Hon'ble Prime Minister Sh. Narendra Modi Ji to make India and Indians self-reliant by starting production of all mandatory items locally. It is a new Government Policy for encouraging local talent and generates new employment for people because many people and labourers lost their job in this pandemic. There are many benefits to this scheme and one can easily know about it in many online platforms. This scheme also encourages our youth to develop their own business and to become an employer, not an employee. Really it is a very good scheme and we should support it.

Tr. Meenakshi Khatter
TGT- Suraj School, Bhiwadi

Aatmnirbhar means "BY SELF FOR SELF."



The year 2020 has been a disastrous not just for India but for every country in the world due to the rapid spread of coronavirus. The disease impacted the country's economy on large scale, thus further damaging the growth and progress. In this time, where economy seemed to fall with each passing day, Prime Minister of India, Narendra Modi introduced a concept called Aatmnirbhar Bharat on 12th May 2020, Prime Minister Narendra Modi announced a package of 20 lakh crore to revive the economy and address the issues affecting various section of people. The package is about 10% of Indian total GDP. Aatmnirbhar Bharat is the mission and vision of our Prime Minister Narendra Modi to make India self-reliant. The real meaning of Aatmnirbhar Bharat is self-reliant India. Aatmnirbhar Bharat means to promote and give preference to indigenous products and ensuring products match their counter part in cost and quality. Self-reliant doesn't mean that we are cut off from the global world, but it actually means that we are able to produce the products and even actually play a larger role in the global economy. Aatmnirbhar means **"BY SELF FOR SELF."**

Chhavi Singh | TGT- Suraj School, Bhiwadi

Aatm – Nirbhar Bharat



'Aatm- Nirbhar Bharat' is not just a word, it's a thought which can motivate us to do something different in life and make our own space in society. Every person have a quality in him/her; there is just the need to identify it and then explore that talent. It can help to earn as well as make us feel happy from inside. Lots of people get benefitted from this idea and also make the nation proud. They make the nation strong by strong economy. We have resources and man power from always, but the only need was an idea to do it by our own. Aatm-Nirbhar Bharat Abhiyan gives us that idea. We have lot of talented people in India, we should help them to explore their talent and encourage them to use it for self development and so the development of country. Self dependent is the base of self development and so the development of nation.



SARITA SAINI TGT (SST)
Suraj School Rewari

AATMA-NIRBHAR

One has to always remain subordinate to those who give shelter to others. In such a situation neither his self-esteem could survive nor self-dependent. He becomes a puppet in the hands of others and is forced to live a life of frustration, tragedy, torture, suffering, humiliation, and neglect. Therefore, dependence is considered a gross sin. Only a self-respecting person has been able to know in true sense what sorrow and suffering are and what is the value and importance of happiness, convenience, how much pleasure and self-satisfaction. What is the world and society called? What is the pain of insult? Lack can in some way cause a person to poach. The reality of such things can also be understood by a truly self-sufficient person. A paralytic always has to live a life without being a person and thus being a person, leaving the worry of humiliation and disrespect. The hunger to live a simple, simple human, to gain human respect and dignity has been in every human being since birth. It can be accomplished by becoming self-supporting.

Suraj School, Rewari

Topic-Swachh bharat abhiyan



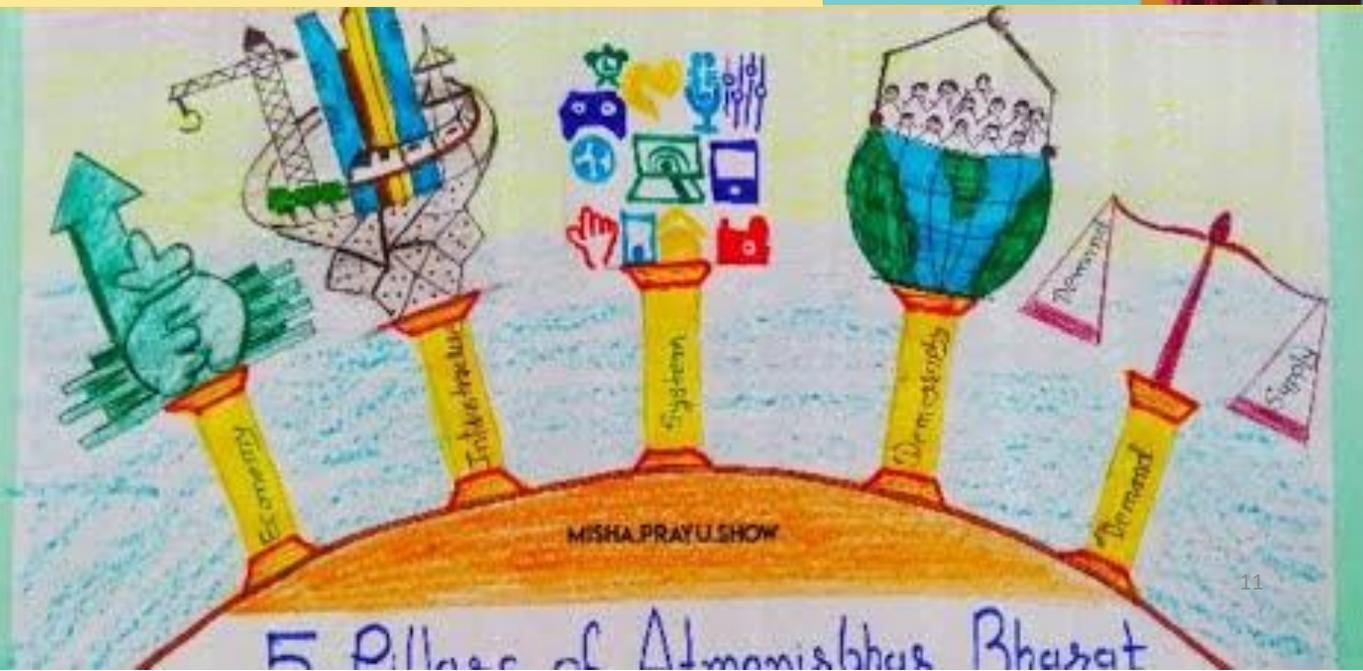
Prime minister Narendra Modi launched the swachh bharat mission (SBM) on October 2,2014,the birth anniversary of mahatama gandhi.

The ambitious programme aims to make the streets, roads and infrastructure across the country clean by October 02,2019,the 150th birth anniversary of the father of the nation.

Swachh bharat abhiyan was done on a national level and encompassed all the towns and villages.

It served as a significant purpose in making people aware of the importance of cleanliness, hygienic, and healthy india.

Ranjeeta
PRT teacher



आत्मनिर्भर

अध्यापक ही वह अकेला इंसान होता है जो विद्यार्थी को उसकी जीवन में आत्मनिर्भर बना सकता है। इसके लिए यह अति आवश्यक है की पहले वह खुद आत्मनिर्भर बने तभी वह पूरे आत्मविश्वास के साथ विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बना सकता है। अध्यापन ही एक अकेला ऐसा व्यवसाय है जहां पर वह अपने ज्ञान को और यह अति आवश्यक है की अध्यापक के अंदर इतनी योग्यता होनी चाहिए कि वह अपने निर्णय खुद ले सके। अपने हित के निर्णय को लेने के लिए उसे दूसरों की मदद ना लेनी पड़े। अध्यापक हमारी आने वाली पीढ़ी को आप निर्भर बनाने में बहुत बड़ा योगदान देते हैं। देश के अच्छे अध्यापकों से ही हमारे देश का विकास हो सकता है। अपने अनुभव को अपनी विद्यार्थियों के साथ बांटकर अपनी जीविका को चलाता है।

ज्योति बरेजा TGT (हिंदी) | सूरज स्कूल भिवाड़ी

स्वरचित कविता

समय आ गया आत्मनिर्भर भारत का अब हमें आगाज करना है

जिम्मेदारियों का अपनी अब हमें एहसास करना है,
एकजुट होकर अब हमें स्वयं को आत्मनिर्भर बनाना है,
हाँ अब मेरे भारत को भी आत्मनिर्भर बनाना है।
सारी गलतियाँ भूला कर, अर्थव्यवस्था को सुधारना है,
एक बार फिर अपने देश को सोने की चिड़िया बनाना है।
कमजोर और निर्बल दिलों में फिर से विश्वास भरना है,
हाँ जाए हम सब खुद पर निर्भर अब ऐसा काम करना है।
प्रधानमंत्री जी और हमारे इस सपने को अब साकार करना है,
एक बार फिर से अपने भारत को विश्वगुरु बनाना है।
एकजुट होकर, मेहनत करके अब हमें इसे आगे ले जाना है,
साथ मिलकर, हाथ पकड़कर इसे सफलता की सीढियाँ चढ़ाना है।
विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके स्वदेशी को अपनाना है,
लोकल के लिए वोकल होकर, हमें अपनी आवाज़ उठाना है।
ए भारत की जनता अब हमें साथ मिलकर कदम बढ़ाना है,
और गरीबों के हुनर को पहचान, उनका मान बढ़ाना है।
किसानों की मेहनत को सराहते हुए, उन्हें उनका हक दिलवाना है,
मजदूरों की मज़बूरी की बेड़ियों से छुड़वाकर मजबूती का पाठ पढ़ाना है।



अब हमें खुद में आत्मविश्वास जगाना है, और भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

अभिमानि नहीं, अपने देश को स्वाभिमानि बनाना है,
देश पर कोई आपदा आए, हम सब को आगे आना है।

सभी को मिलकर भारत को शत्रुओं से बचाना है,
आत्मनिर्भरता की अहमियत अब सबको समझाना है।

यह काम हमें अपने देश के अध्यापकों से ही शुरू करवाना है,
अपने देश से हमको एक वादा निभाना है।

विश्व में देश को अब एक अलग दर्जा दिलवाना है।
हर हाल में अपने देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

बहुत हुआ दूसरों पर निर्भर अब खुद को आगे बढ़ाना है,
जलने वाले जो भी सोचे हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है।

वतन के साथ जीना या वतन के साथ मर जाना है,
हर चीज स्वदेशी और हर जन को देश भक्त बनाना है।

अपने प्यारे देश को आत्मनिर्भर बना कर, एक बार फिर से विश्वगुरु बनाना है



Sudesh Yadav
Co-Ordinator
Suraj School Kosli



AATMA NIRBHAR BHARAT ABHIYAN

On 12th May 2020, Prime Minister Narendra Modi announced a package of 20 lakhs corer to revive the economy and address the issues affecting various sections of people.

Named an Aatma Nirbhar Bharat Abhiyan.

Aatma Nirbhar Bharat is the mission and vision to make India self-reliant, the vision is based on wide and deep consultation with several sections of society.

Discussions were held at various levels with various ministries up to PMO essentially this is to spur growth and build a self-reliant India. The whole initiative is therefore called Aatma Nirbhar Bharat Abhiyan.

The actual significance of Aatma Nirbhar Bharat is self-reliant India or we can

say Aatma Nirbhar means to promote and give preference to indigenous products and ensuring that these products match their imported counterparts in cost and quality.

Self-reliant doesn't mean cutting off from the word with India's progress and make globalization human-centric it signifies the globalization of our local industries.

The main objective of this is to make India a weir-to-do country. Beneficiaries of the self-reliant India campaign scheme will be farmers, poor citizens, migrant workers, small-scale industries, cottage industries, fishermen, cattie ranchers, middies - class industries, tenants people working in the organized sector or unorganized sector, etc. Self-reliance is a positive word. It is very

Important for a person, family, or country. if the person is self-reliant, then he Wii have is need for heap from others, In other words, we can also say, that we should not expect help from others to run our livelihood. being self-reliant is the best quality for both the individual and the country.

A self-reliant person can face times of trouble more strongly. the same thing also applies to the country. India has a iota of taint, so we can make the best products. we need to make our supply chain stronger to become an Aatma Nirbhar Bharat If we look at the resources of India is a prosperous country. our country is very large and abundant resources are available here. we are able to produce any of the smokiest and greatest items insides the country.

There is also a shortage of skied youth in our country but their enthusiasm is needed. during the recent corona epidemic, the government announced the self-reliant campaign.



India's Five Pillars Of Self- Reliance

- The economy will bring not just incremental change but a quantum jump.
- The infrastructure will become modern India's symbol.
- The system will be technology-driven and not based on a policy of the past century.
- Demography is our strength, will secure as a source of energy for self-reliant India
- India's demand and supply cycle would improve the economy and give it the bail@ to achieve its fail potential.
- The country has many advantages to being self-reliant. the production of goods in our country will
- increase industries. unemployment will be

Eliminated from our country and the poverty rate Will also be reduced. the country's economy will also be strong. imports in the country will be less and exports will increase. If the production of goods is increased in the country, then it can be exported to other countries also so that the foreign currency also came to our country. Under the Aatma Nirbhar Bharat Abhiyan yojana, compensation and benefits will be given to all workers, farmers, traders, etc. who have suffered a loss due to Lockdown. The county of India has moved completely towards becoming self-reliant the government of India is implementing ail other types of schemes so that our India and the citizens of India are self-reliant.

The "Aatma Nirbhar Bharat "moment got its boost from native businessmen and industrialists. the big financial foreign investments in Indian companies like in "JIO" from Google and Facebook.

The situations on the borders and the Lockdown had the people and the got to go for a vocal for local strategy. The people are willing to pay here to encourage our local producers and manufacturers.

The 5G network dreams of India will now be made true by JIO and India will soon come into the world market of technology and be a key player in it.

The PPE kit manufacturers and exporting have reached new heights and we are now the 2nds most exposing nation.

The vaccine trials and productions are also going on at a high scale to be ready at the time of export. The latest changes in the National Education policy will also encourage the skills to be self-reliant and contribute to society to take a step forward to be Aatma Nirbhar Bharat.

Self-Reliant India or Aatma Nirbhar

Bharat does not mean boycotting foreign goods but ending India's dependence on other countries and moving towards development and progress. Being self-reliant is the dream of every individual, society, and nation. Human progress is possible only by self- sufficiency. only a self-reliant nation can make its nation paramount. Ever since the attainment of independence, the dream of self- sufficiency began to grow in the heat of India.



**Prashant TGT SCI
Suraj School Mahendergarh**

आत्मनिर्भर भारत अभियान



Pawan Yadav |
I.T Department
Suraj School Mahendergarh

शपथ लेते हैं नहीं खरीदेंगे अब चीनी सामान,
पहले भी जीते थे अब भी जीएंगे सीना तान।
हमारे पैसों से सशक्त हुआ चीनी अभिमान,
अरबों का व्यापार कर हमें ही धोका देता शैतान।
अंग्रेजो ने भी इस्ट इंडिया कंपनी से ही किया था गुलाम,
इतिहास नहीं दोहराएंगे, भारतीय सामानों से चलाएंगे काम।
आत्मनिर्भरता अभियान को देंगे भरपूर योगदान,
एक भारत, श्रेष्ठ भारत की आत्म निर्भरता ही होगी पहचान।
लघु-उद्योगों की सफलता से रोजगार होगा असान,
नकली सामानों के उपयोगों पर भी लगेगी लगाम।
आओ हमसब मिलकर करें श्रीगणेश लेकर प्रभु का नाम,
एक कदम हम उठाएं करौंडो कदमे अपने आप उठाएंगी
आवाम।
बिना हथियार और युद्ध के ही चीन का होगा काम तमाम,
सीमा अतिक्रमण के हथकण्डो पर ऐसी ही लगेगा विराम।

आत्मनिर्भर भारत



Radha (Comp. Teacher)
Suraj School Mahendergarh

देखो मेरा देश आत्मनिर्भर बनने लगा है
दूर खेतों में फसलें लहलहाने लगी हैं
पंछी उन्मुक्त गगन में चहचहाने लगे हैं
हर्षोल्लास का मौसम छाने लगा है
क्योंकि मेरा देश आत्मनिर्भर बनने लगा है
पड़ोसी देशों ने किया है आहत
पर मुंह की उन्हें खानी पड़ेगी
पर उन्हें ही धूल चाटनी पड़ेगी
किसकी हिम्मत है कि हमारी पाक जमीं पर,
रखे अपने नापाक कदम
हमारे जांबाज बैठे सरहद, बांधे सिर पर कफन
उनकी ही तो हिम्मत पर बच्चा-बच्चा गाने चला है
देखो मेरा देश स्वाभिमानी होने चला है।

आत्मनिर्भर (स्वावलम्बी)

'आत्मनिर्भर' का पर्यायवाची है 'स्वावलम्बी'- अर्थात् जो अपनी क्षमताओं और प्रयत्नों पर आश्रित रहकर कार्य करता है। जो व्यक्ति सदैव स्वयं द्वारा किये गए कार्यों से संतुष्ट होता है, खुद पर विश्वास रखता है, वह अपने उद्देश्य (लक्ष्य) को प्राप्त करके एक असीम आनंद की अनुभूति का अनुभव करता है।

स्वावलम्बी व्यक्तियों की इच्छाशक्ति बहुत ही दृढ़ होती है। वह कठिन से कठिन कार्य की शुरुआत करने से घबराता नहीं है। ऐसे व्यक्ति अपने उद्देश्य को हासिल करने के किये स्वयं योजना बनाते हैं तथा स्वयं रास्ता चुनते हैं। वे कठोर परिश्रम में विश्वास करते हैं। वे भाग्यवादी नहीं होते अर्थात् किसी भी काम को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ते।

उनका मानना होता है कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए स्वयं पर विश्वास, दृढ़ इच्छाशक्ति व अथक परिश्रम की आवश्यकता होती है। हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने से कोई काम पूर्ण नहीं होता। कहा भी गया है कि

उदयमेन ही सिद्धान्ति कार्याणि न मनोरथैः

नहि सुप्तस्थ सिंहस्य मुखे प्रायविशन्ति मृगा

अर्थात् परिश्रम से ही कार्य पूर्ण होते हैं, मनोकामनाओं से नहीं। सोते हुए शेर के मुँह में हिरण स्वयं प्रवेश नहीं करता। पेट भरने के लिए शेर को शिकार के लिए परिश्रम करना पड़ता है। संसार में जितने भी सफल व्यक्ति हुए हैं, वे अपने अथक परिश्रम के बलबूते पर ही हुए हैं। वे हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं व उनसे प्रेरणा लेकर हमें भी आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए।



अध्यापिका - किरण

Suraj School Rewari

शिक्षा में आत्मनिर्भरता



आत्मनिर्भर अध्यापक, अध्यापक ही वह अकेला इंसान होता है जो विद्यार्थी को उसके जीवन में आत्मनिर्भर बना सकता है। इसके लिए यह अति आवश्यक है की पहले वह खुद आत्मनिर्भर बने तभी वह पूरे आत्मविश्वास के साथ विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बना सकता है। अध्यापन ही एक अकेला ऐसा व्यवसाय है जहां पर वह अपने ज्ञान को और अपने अनुभव को अपनी विद्यार्थियों के साथ बांटकर अपनी जीविका को चलाता है। इसलिए यह अति आवश्यक है की अध्यापक के अंदर इतनी योग्यता होनी चाहिए कि वह अपने निर्णय खुद ले सके। अपने हित के निर्णय को लेने के लिए उसे दूसरों की मदद ना लेनी पड़े। अध्यापक हमारी आने वाली पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ा योगदान देते हैं। देश के अच्छे अध्यापकों से ही हमारे देश का विकास हो सकता है।

ज्योति बरेजा

अध्यापिका - सूरज स्कूल, भिवाड़ी

AATM-NIRBHAR



**Namita
Suraj Mahendergah**

India is youngest nation, with highest proportion of young population. When other developed countries of the world are facing problem of 'aging', India is emerging as young nation, capable to take leadership role in global economic order. Demographic dividend that is enjoyed by India will be there for next 30 to 40 years. The question to be addressed is how to take maximum benefit of this opportunity. It time for India to leverage on this unique opportunity, which require strategic action towards skill development of young population in order to make them more employable , skillful, creative and innovative.

21st Century skills cannot be taught in the classroom environment only. It is very important for student to become Aatm-Nribhar. Aatm-Nirbhar Bharat is vision for making India self-reliant nation. The mission should not be taken in the sense of cutting off from rest of the world, rather it means greater global integration but no dependence on any other country for national requirement. At micro level success of Aatm-Nirbhar Bharat depend on Aatm-Nirbhar Student. The philosophy of Aatm-Nirbhar (self-reliance) should be imbibe in the education system and mindset of students, parents and teachers. Students need to be self-reliance in terms of their teaching and learning process. Classroom learning is one small aspect of their broader leaning process. Lot of learning can take place outside the class, provided one is ready for the same. New education policy recently announced by government also focuses on creating an environment of learning which is more towards skill development rather than mugging up for getting marks. The process of becoming Aatm-Nirbhar student will surely start from classroom where initial interaction between teacher and students takes place. Classroom learning is foundation, where you study concepts and theories related to subject. But most of the time students stops at that point only, focusing only on classroom teaching which more syllabus is focused. You need to learn the process of application of concepts and theories in real life, personal and professions. You should not depend on anyone for learning process. Using available resources at your disposal start the learning process, and take help from your teachers and mentors. What is more important is to decide your life goal and start your self-learning process in that direction.



Aatmanirbhar Bharat

how can school children contribute to national development

With more than 180 million school children in India, the young generation is a force that is yet to show its true strength. Children have the energy to help the nation fight the problems that are hampering its progress and then steer India onto the path towards becoming Aatm - nirbhar Bharat or self- reliant India.

To begin with school children can organize and participate in numerous awareness campaigns to fight problems like pollution. For instance, if each child consciously refuses to use plastic tiffin and bottles and is careful about not littering in public places, pollution levels will drop drastically. The time, money and effort currently being spent by the government to handle pollution can then be used more creatively towards developing a self-reliant nation.

Additionally, our nation suffers from acute illiteracy. This illiteracy translates into higher unemployment and crime rates. School children can help here by trying to educate underprivileged children of domestic helpers. While the government looks at literacy in terms of figures, these children will be able to deal with their not-so-fortunate counterparts on a one-to-one basis. This will help motivate both sets of children, to impart and gain education. An educated nation is better adapted to technological progress and efforts towards self-reliance.

As unrealistic as it may sound, school children have the potential to change the face of the nation and help fight issues that the country is facing and put it on a progressive trajectory, to take it to a level when India can truly claim its position as Aatm-nirbhar Bharat.

Rome was not built in a day. Similarly, India cannot become 'Aatm-nirbhar' overnight. Nation building takes place through years of concentrated efforts by the government and the citizens. School children can hence be trained to contribute to nation building both during their schooling days and even more so when they become independent adults. The major campaigns that children can effectively support, include 1) anti-orrupation, 2) go green and 3) rural initiatives.

Corruption is known to ruin the effectiveness of the most innovative and progressive government policies. The policies cannot be fully implemented till the time the nation is not corruption free. Children can greatly change this trend by consciously fighting dishonesty even at the smallest levels and being vocal about it. With time these children these values will become ingrained in them. In a few years, they will become the anti-corruption vote bank of the nation.

Further, though traditionally India has been an agrarian society, of late the focus has shifted to urbanization. As a result people in the rural pockets of India suffer from backwardness and poverty. Since agriculture forms the backbone of sustainability and self-reliance, it is important to uplift these sections of society. School children can play a role by promoting the purchase of locally produced fruits and vegetables as well as local handicrafts. This will provide direct financial assistance to those in the rural areas, eliminate middle men and eventually bring the rural population into the mainstream. School children may be young, with limited resources but put together they make a potent force of about 180 million individuals who can, overtime, gradually help India achieve self-reliance and become Aatm-nirbhar Bharat.

Ms. Rekha Yadav | PRT ENG
Suraj School Mahendergah



आत्म निर्भर

महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब आत्म निर्भरता और आर्थिक आत्मा निर्भरता भी हो। महिलाओं को जरूरत है अपने अस्तित्व को पहचानने की और इसको बनाये रखने की और एक कदम बढ़ाने की। देश बदल रहा है महिलाओं की दशा में सुधार आ रहा है, समय के साथ साथ नारी शक्ति और सशक्त होती जा रही है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है जैसे- सीता, सावित्री, द्रौपदी, गार्गी आदि पौराणिक देवियों से लेकर रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई होल्कर, रानी चैनम्मा, रानी पद्मिनी, हाड़ी रानी आदि महान रानियों से लेकर इंदिरा गाँधी और किरण बेदी से लेकर सानिया मिर्जा आदि आधुनिक भारत की महिलाओं ने भारत को विश्व भर में गौरवान्वित किया और महिलाओं ने धरती पर ही नहीं अपितु अन्तरिक्ष में भी अपना परचम लहराया है इनमें सुनीता विलियम्स और कल्पना चावला प्रमुख हैं। यह सही है कि हर युग में महिलाओं ने अपनी योग्यता का परचम लहराया है, लेकिन फिर भी यह देखने को मिलता है कि हर युग में उन्हें भेदभाव और उपेक्षा का भी सामना करना पड़ा है। महिलाओं के प्रति भेदभाव और उपेक्षा को केवल साक्षरता और जागरूकता पैदा कर ही खत्म किया जा सकता है। महिलाओं का विकास देश का विकास



है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना भी आज के समय में उतना ही आवश्यक है। आर्थिक रूप से सक्षम होना केवल परिवार के लिए नहीं अपितु अपने लिए भी आवश्यक है। पुरुषों की भाँति महिलाएँ भी देश की समान नागरिक हैं और उन्हें भी स्वावलम्बी होना चाहिये ताकि समय आने पर वह व्यवसाय कर सकें और अपने परिवार को चलाने में मदद कर सकें। यही जागरूकता ही तो उनके, उनके परिवार के व देश के विकास को गति देगी एवं एक नई दिशा देगी। एक खुशहाल भविष्य की कामना करते हुए इस बात का संकल्प कीजिये- मैं अपने हुनर को पहचानूँगी और स्वावलम्बी बनकर दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनूँगी।

Kavita Yadav | TGT ,s.s.
Suraj School Mahendergah

मद मस्त हाथियों का मेला, बुद्धि विवेक का प्रयोग कर।
समय, आश्चर्य परीक्षा ये; तत्पर सदा, आत्ममंथन कर।
विश्वास मेरा तेरे आगे, इस आलस्य का दमन कर।

प्रारंभ तेरा तेरे द्वारा; पूर्णता स्वयं तेरे पीछे।
आत्मनिर्भर है यदि तू, कठिनाई तेरी कांटे फीके।
तेरा भविष्य तेरे आगे, लिख उसे स्वयं की कलम से।
दूजो के जो हाथ पकड़े, हाथ उनके कबके छूटें।

आत्मनिर्भर तू रे बन तो, देश तेरा आत्मनिर्भर।
आत्मनिर्भर यदि देश तेरा, तो भविष्य क्या रे सुंदर।
विश्वगुरु ये फिर बनेगा, बस तू बन कुछ आत्मनिर्भर।
वाणी यही अंतिम हो मेरी, ये देश मेरा, सत्य, आत्मनिर्भर।



Nishtha | 10th sp
Suraj School Mahendergah

AATAM NIRBHAR: BEING WOMEN

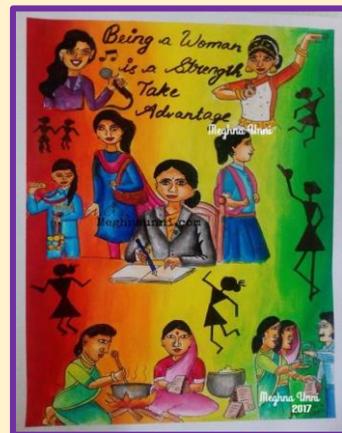
As the topic suggest Aatam Nirbhar stands for being dependents upon self . Since ages, women has been suppressed in the name of safety, security, illiteracy, inferiority etc.

The empowerment and autonomy of women and the improvement of women's social, economic and political status is essential for being in dependent in their respective field.

The most important tool in achieving this is right education for women which provides them wings to fly .If we teach a girl we teach a whole community.

Thanks

Preety (TGT science)
Suraj School Pataudi



Greetings of the day!

Please find my article on - How anyone could be Aatam - Nirbhar in their respective fields. As a teacher we can strive to become Aatam - Nirbhar by working upon the following mantras : -

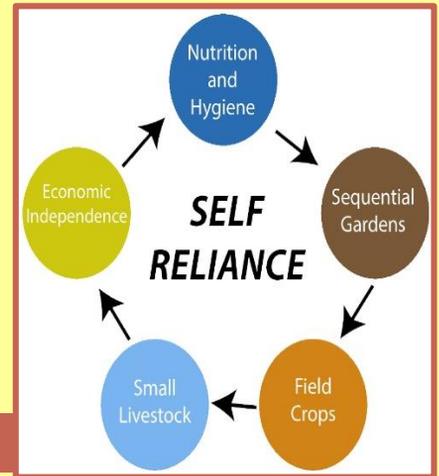
1. Early to bed and early to rise should be the mantra for not only the Teachers and students but also for everyone else. We can get up without Alarm.
2. Making our bed soon after we get out of it in the morning; this will ensure we will get a nice bed in the late evening when we come to sleep after all day's work.
3. Taking out time for either Yoga or morning walk to remain healthy.
4. Always take out time for Plan of the Day. It streamlines our efforts and sets the priority of the entire day's activities in the morning. It saves time and helps us remain on course.
5. Plan a light breakfast, possibly we can then prepare it on our own.
6. Follow the time - table strictly so that neither the class nor the teacher has to suffer or re-schedule it later. Remember rescheduling it a dependent activity.
7. Doing things right first time. Mistakes may have effect on other's work also and Rework is a non-value add activity.
8. Share your lunch with your colleagues. It helps everyone in case someone came unprepared to school and also our team bonding is definitely enhanced.
9. Keep time for yourself. You should be devoted to at least one hobby or you should be learning something new that you have always wanted but couldn't do it before.
10. Socialize in the evening - this way, you either help someone or get some help. You may also learn from others in these interactions.
11. End of the Day - Summary or report are equally important as the Plan of the Day activity. Studies show that we tend to forget 80% of daily chores after a night's sleep. It keeps us motivated and closes many things on timelines.
12. Sleep well and for right amount of time. it will ensure you are fresh and raring to go, in the next morning.

These ideas may seem small or elementary but they are of immense value to everyone who can abide by it and reap rich benefits in their lives.

IMPORTANCE OF SELF RELIANCE

Self reliance means independence. Self Reliance is the ability to think and do something without any help from others. Dependency is not a good thing. If you depend on others then you can't do anything by yourself. On the other hand, if men or women can't do their work independently then he or she will not shine In life. Generally an independent person has no boundary. On the other hand, the dependent person is bound by another person. Self reliance is important for both people and the nation. If you have self reliance then you can learn to its of things from it. So, Self reliance will Increase your self confidence. Finally with the help of Self Reliance, you can represent yourself properly to others. A person who has self reliance can measure himself and can improve his weakness.

Neetu Mehra (Pre Prt) | Suraj School kosli



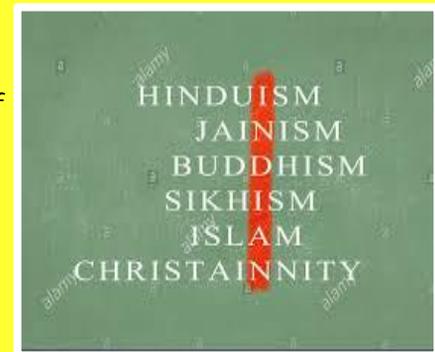
‘DIVERSITY GIVES BEAUTY AND POWER COMES FROM UNITY.’

India is a vast country, with an overwhelming population and a wonderful amalgamation of cultures that bring out the beautiful blend that is India today. It is a fascinating feat in itself that so many people, belonging to such different creed and culture and beliefs altogether call India their home.

The festive season in India begins around October and continues throughout the winter till next March or so, but in reality, Indian celebrations never stop; it's a never-ending cycle! There is a catalogue of festivals that are celebrated

wholeheartedly by the Indian population. Beginning from Diwali, Holi, Ganesh Chaturthi till Eid and Christmas, the people of India relish a diverse array of festivals.

The festivals such as Ganesh Chaturthi, Pongal and Onam are celebrated in some parts of India and yet they are considered major festivals of the country. The best part about these festivals is that they are based on a variety of factors such as change of season, harvest, movement of the moon and the uniqueness lies in their propagation of same virtues that of tolerance, sacrifice and victory.



Ms. Rajni Madaan | TGT English
Suraj School Sec- 75, Gurugram

The most wonderful thing about festivals is they bring nations, neighbours and different communities together. They bind the entire humankind with the joyous thread of happiness and celebrations. They not only promote national integration, but the world peace also.

As Keats has said, ***“A thing of beauty is a joy forever.”*** So the festivals of the world are the beauty and soul of the world.

आत्म निर्भर

हमें आत्म-निभरता की आवश्यकता है क्योंकि दुनिया में हर व्यक्ति को खुद पर भरोसा करने की जरूरत है जब वे व्यक्तिगत स्तर पर अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक स्थिरता को एकीकृत करने जा रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि खुद पर भरोसा करना यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हमें भविष्य में होने वाली किसी भी विफलता का पछतावा नहीं होगा। नेता खुद पर काम करना पसंद करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह उनकी ताकत, बुद्धि और प्रभाव है जो काम पर उनकी उत्पादकता को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रतिबंध या चुनौतियों को दूर करने की कुंजी है। इस मामले में, एक स्वतंत्र व्यक्ति होने के नाते दूसरों की मदद मांगे बिना आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण गुण है। आत्म-निभरता को बढ़ावा देने का उद्देश्य वर्तमान में किसी निश्चित गतिविधि या कार्य को पूरा करते समय दूसरे के प्रयासों पर भरोसा करना नहीं है। यह तब होता है जब एक व्यक्ति कड़ी मेहनत करना शुरू कर देता है ताकि वे अन्य व्यक्तियों की मदद के बिना अपने सपने तक पहुंच सकें। मुख्य कारणों में से एक है हितों के टकराव को रोकने के लिए जब भी कोशिश कर रहे व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा विफलता का अनुभव किया जाता है। कुछ हासिल करने के लिए लेकिन अपने कार्य को पूरा करने में असमर्थता के कारण असफल हो गए। हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि आत्म-निभरता आमतौर पर बलिदानों का अनुभव करती है क्योंकि एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में कार्य करता है जब भी वे अपने समय, प्रयास और व्यय का त्याग करके अपने सपनों को चुनौती देने का प्रयास करते हैं। एक अकेली कामकाजी इकाई चुनौतीपूर्ण है लेकिन इसके लिए लड़ने लायक है क्योंकि इसमें शामिल व्यक्ति सीखता है कि कैसे अपने सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सफल होने के लिए एक होनहार व्यक्ति बनने के लिए मजबूत बनना है। इस तरह, आप यह सुनिश्चित करने के लिए धीरे-धीरे ताकत विकसित करेंगे कि आपकी रचनात्मक निभरता की स्थिति एक दुर्जेय कौशल और ज्ञान बन जाए जिसे आप अपने अनुयायियों जैसे अन्य व्यक्तियों के साथ साझा कर सकते हैं।

**आओ
आत्मनिर्भर
बनें..**

**"अपने आप पर विश्वास करो
क्योंकि मुश्किल समय में
भगवान भी मदद नहीं करता
है"**

**Anita Mudgil-PRT Hindi
Suraj School Pataudi**

Aatmishbhar Bharat

The year 2020 has been a disastrous one that just for India but also for every country in the world due to spread of country's economy on a large scale. In these times, where economy seemed to fall, PM of India called a concept, Atmanirbhar Bharat. On 12 May, 2020, PM Narendra Modi announced a package of 20 lakh crore to revive the economy & address the issues affecting sections of people. The package is about 10% India's total GDP. Atmanirbhar Bharat is the mission & vision of our PM Narendra Modi to make India self-reliant. Atmanirbhar means to promote & give preference to indigenous products and ensuring that these products match their imported counterparts in cost & in the quality.

Suraj School Pataudi

आत्मनिर्भर भारत

आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुभकामना भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना संकट के दौर में भारत की अवस्था को सुधारने के लिए की थी। इस अभियान के द्वारा भारत में लोगों को कामकाज करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और यह प्रयत्न किया जाएगा कि अगले कुछ सालों में भारत अपनी जरूरत की अधिकतर वस्तुएं अपने देश में ही पैदा करे अर्थात् आत्मनिर्भर बन जाये।

आत्मनिर्भर

Suraj School Pataudi

आत्म निर्भरता पर सुविचार :->

- आज के समय में अगर कुछ हासिल करना है।
- तो जो भी करो खुद के बल पर करो, और खुद की इसी नीमत तम करो।
- क्योंकि आज के दौर में दूसरा आपको तब तक ही सहायता देगा,
- जब तक आप उससे नीचे और कमजोर हो।
- फिर चाहे उद्योग संशान हो या कुद्व जेठ ॥
- चलेगे गिरेगे, संगठने भी खुद से ही,
- जोना के उभरे का इंतजार करने तो
- पैसे तले कचले भी जाएंगे ह्य ही ॥

जरूरत से लम्बे किसी की मदद नहीं करनी चाहिए जसल सापेक्ष आल इतना कालनिर्भर नहीं बन गता।

सबसे बड़ी सुन्दरता है अपने में पर सहायता कुकमता सबसे बड़ी नहीं दूसरो के सहाय जौना

आत्मनिर्भरता का रक पहेलु यह भी है कि दूसरो पर निर्भर नहने के, कमय खुद को आत्मनिर्भर बना के, बसो कि यह तो जरूरी नहीं कि कोई हर समय आपके साथ ही रहेगा ॥

स्वामी जगदीश शर्मा (पुणे) ३

Suraj School Pataudi

Atmanirbhar Bharat Abhiyan



The COVID-19 pandemic has adversely affected the Indian economy and society in varied ways. In this article, you can read the details of the Atmanirbhar Bharat Abhiyan – which is the name given to the full-fledged economic stimulus package announced by the Union Government. Atmanirbhar Bharat Abhiyan was highlighted on India's 72nd Republic Day (2021). Department of Biotechnology showcased COVID-19 vaccine development process in their tableau. The government had initially announced the Pradhan Mantri Garib Kalyan Yojana (PMGKY) as interim measures for those affected by the COVID pandemic.

Atmanirbhar Bharat Abhiyan:-

The Atmanirbhar Bharat Abhiyan (meaning self-reliant India scheme) was announced in four tranches by the Union Finance Minister Nirmala Sitharaman in May 2020. The economic stimulus relief package announced by the government is touted to be worth Rs.20 Lakh crores. This includes the already announced Rs 1.70 lakh crore relief package, as the PMGKY, for the poor to overcome difficulties caused by the coronavirus pandemic and the lockdown imposed to check its spread.

5 Important Facts about Atmanirbhar Bharat Scheme

1. The Prime Minister announced that an Atmanirbhar Bharat or a self-reliant India should stand on the following five pillars:

1. Economy
2. Infrastructure
3. 21st-century technology- driven arrangements and system
4. Demand
5. Vibrant Demography

2. The 20 lakh crore worth package is almost 10% of the GDP of the country.

3. The package emphasizes on land, labour, liquidity, and laws.

4. The package includes measures across many sectors such as MSME, cottage industries, middle class, migrants, industry, etc.

5. Several reforms are announced to make India a self-reliant economy and mitigate negative effects in the future. Some of the reforms are:

1. Simple and clear laws
2. Rational taxation system
3. Supply chain reforms in agriculture
4. Capable human resources
5. Robust financial system



SELF – RELIANCE

Self-reliance is a sure key to success and happiness. A self-reliant person always depends upon his own energy, capacity to work, prudence and the resources. Therefore, a self-reliant person is master of himself and the circumstances as he does not depend on others. Such a person is always calm, sure, confident and self-possessed. He is firm, prompt in action and ever ready to face any challenge, and fertile of resources. While others who are not independent are surely much handicapped. It is really a slavery to depend on others for help, guidance, aid or resources and a slave is always at a great disadvantage. A person is most happy and satisfied when he relies upon his own strength, power and resources. He ever walks without crutches or outside support.

Self-reliant people have always been found sure, self-assured, decisive, optimistic, free, independent and bold. They do not suffer from indecision or delay. Self-reliance is the best support, the best tool and the shortest way to success. Lord Buddha said: "You are both friend and enemy of yourself. The heaven and hell lies within you. It is up to you what you choose. You are your own lamp, guide and staff. Never depend on others. Be the maker of your destiny. Help yourself and the world will help you." It reminds us of the famous saying, "God helps those who help themselves". All successful men and women have been self-reliant. They achieved what they desired because they did not depend on others. They ran fast and in time on the road of self-reliance. A man walking with the crutches of others help cannot think of running a race, he cannot compete; he is sure to end with the crutches. For example, take the case of countries taking foreign aid. Such countries are virtually slaves. They depend on others for their planning, development and economic advancements. Such nations are like puppets with their strings in the hands of their aid-giving nations. Such aid has always strings attached to it.

They are rich in expediency, quick in action and steadfast in decision. Their will power is ever strong; their resolutions unyielding. They are the makers and masters of their destiny. They never blame fate, circumstances or the tools for they make their own tools and use them with greatest skill and concentration which is at their command. Their work, their creations and achievements bear the stamp of their personality. They are original in ideas and in shaping things and events. They achieve what they will because they are self-dependent, resolute, single minded and self-controlled. They know well their strength and weakness and so use their energies and resources in such a way as never to expose their weakness and when they achieve their victories, their ambitions and goals, then their joy is an unalloyed bliss for the glory is not to be shared with others.



Sonia Vashisht | IX NTSE |
Suraj School, Sec -56 GGN

BE SELF RELIANCE ALWAYS.....

Atmanirbhar Bharat Abhiyan



1. Atmanirbhar Bharat Abhiyan or self-reliant India campaign is the vision of new India envisaged by the honourable Prime Minister Shri Narendra Modi. On 12 May 2020, our PM raised a clarion call to the nation giving a kick start to Atmanirbhar Bharat Abhiyan and announced the special economic and comprehensive package of INR 20 lakh crores - equivalent to 10% of India's GDP to fight COVID-19 pandemic in India
2. Government of India is taking several steps to ensure that we are well prepared to face the challenges and treats posed by COVID-19. With active support of citizens of India, we have been able to mitigate

the spread of the virus so far. One of the most important factors in the fight with the virus is to empower the citizens with accurate information and enable them to take precautions as per the advisories being issued by different Ministers.

3. After the announcement of Atmanirbhar Bharat Abhiyan by the Prime Minister on 12 May 2020, announcements were made on 12 October 2020 under Atmanirbhar Bharat Abhiyan 2.0 :-
 - SBI Utsav cards were distributed.
 - 11 States were sanctioned Rs. 3621 crore towards the capital expenditure as an interest-free loan.

4. Five Pillars of Atmanirbhar Bharat :

#Economy - an economy that brings Quantum Jump rather than incremental change.

#Infrastructure - an infrastructure that became the Identity of modern India .

#System - A system that is driven by technology which can fulfill the dreams of the 21st Century, a system not based on the policy of the past century.

#Demography - Our vibrant Demography is our strength in the world's largest democracy.

#Demand - The cycle of demand and supply chain in our economy, is the strength that needs to be harnessed to its full potential.

5. Thus, there are challenges before Atmanirbhar Bharat Abhiyan, but its targeted approach promotes inclusive growth. It also includes aspects like empowerment of citizens, which is the capital to build a better India.

Mrs. Aarti Parmar (TGT English) | Suraj School Rewari

AATMA NIRBHAR

Aatma Nirbhar means the ability to depend on yourself to get things done and to meet your own needs. Teaching is a noble profession which comes with so much of responsibility and duty towards students. Aatma Nirbhar teacher = Aatma Nirbhar Bharat Teacher is the one who makes students aatma Nirbhar for their life and for this it is important that they should become aatma nirbhar and make ourselves more confident. Teaching is the only profession where they teach and give knowledge whatever they earn from their life experience they share with students so it is important for teachers that they have the ability to do things and make decisions by our self without needing other people to help you. Teachers help our future generation to become aatmanirbhar in make our India more self-reliance (aatma nirbhar). Sapna Mathur Suraj School Bhiwadi

STUDENT ARTICLES

Self-Reliant



Apeksha Class - 8 N2
Suraj School Sec-75

Modern society has not advanced one bit ever since it started. Sure, technology has advanced and the world is safer. But when you talk about society itself, nothing has changed. Society is a wave, The wave moves onward, but the water of which it is composed does not. When we look at ourselves, we never even consider that we might need to be self – reliant. Self- reliance gives a person in society the freedom they need to discover one’s true self and attain one’s true happiness. I believe that individualism, personal responsibility and non conformity are essential to the thriving society but to get there we have to work on ourselves to achieve this level of individualism Now, why is it important to be self reliant? Sometimes we do

get help from other people such as friends, family, It is a important part of our life and can be fulfilling. If a person was independent, they could solve their own problems, and be able to fulfill those needs and desires for themselves. Being self reliant helps us in many situations like, Depending on others means there will be times when it’s not available. Self acceptance one of the most important aspects of our life and one of the rewards of being self reliant. You can make decisions for yourse Therefore, I conclude that self-reliance is the only road to true freedom and being one’s own person is ultimate rewards.



Aatm-Nirbhar Bharat

Atmanirbhar Bharat Abhiyaan or Self-reliant India campaign is the vision of new India envisaged by the Humble Prime Minister Shri Narendra Modi. On 12 May 2020, our PM raised a clarion call to the nation giving a kick start to the Atmanirbhar Bharat Abhiyaan (Self-reliant India campaign) and announced the Special economic and comprehensive package of INR 20 lakh corers - equivalent to 10% of India’s GDP – to fight COVID-19 pandemic in India. The aim is to make the country and its citizens independent and self-reliant in all senses. He further outlined five pillars of Aatma Nirbhar Bharat – Economy, Infrastructure, System, Vibrant Demography and Demand. Finance Minister further announces Government Reforms and Enablers across Seven Sectors under Aatmanirbhar Bharat Abhiyaan. The government took several bold reforms such as Supply Chain Reforms for Agriculture, Rational Tax Systems, Simple & Clear Laws, Capable Human Resource and Strong Financial System.



Divya 3rd SP3
Suraj School Rewari



Aaradhya Class - 3rd A1
Suraj School Rewari

Aatmanirbhar Bharat abhiyaan is also known as self reliant India campaign which illustrates the vibrant futuristic vision of India, which is envisaged by hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. further it is outlined with five major pillars of Aatmanirbhar Bharat- these are Economy, infrastructure, system, vibrant demography and demand. The aim of the Aatmanirbhar Bharat Abhiyaan is to make the country and it's citizens independent and self Reliant in all sense. It will also help to create an

eco system that will make alown Indian companies to be highly competitive on the global stage. ²⁶

Atmanirbhar Bharat

The year 2020 has been a disastrous one not just for India but for every country in the world due to the rapid spread of coronavirus which eventually led to a pandemic. The disease impacted the country's economy on a large scale, thus further damaging the growth and progress.

In these times, where economy seemed to fall with each passing day, prime minister of India, Narendra Modi introduced a concept called

Atmanirbhar Bharat. On 12th May 2020, Prime Minister Narendra Modi announced a package of 20 lakh crores to revive the economy and address the issues affecting various sections of people. The package is about 10% of India's total GDP.

Atmanirbhar Bharat is the mission and vision of our P. M. Narendra Modi to make India self-reliant. The real meaning of Atmanirbhar is self-reliant India. Atmanirbhar means to promote and give preference to indigenous products. And ensuring that these products match their imported counterparts in cost and quality.

Suraj School Sec. 56 Gurgaon

Atmanirbhar Bharat

- Atmanirbhar Bharat Scheme was launched on 12 May 2020, by the Prime Minister Modi.
- This scheme will run under the Ministry of Finance, Ministry of Defense, Ministry of Health and Ministry of Electronics and Information Technology.
- The main motive of this scheme was to make India self-reliant so that we can minimize the import of at least small things.
- A package of 20 lakh crore rupees was announced in this scheme to help people.
- The main reason behind this scheme was COVID-19 in which many people lost their jobs and laborers too.
- It was launched to encourage Indians to step into self-development through their talent and knowledge.



Samiksha 9th S2 | Suraj School Kosli

AS THE NAME SUGGESTS, "ATMANIRBHAR MEANING SELF SUSTAINABILITY, AND EVERYONE MEANS ALL OF US....."

- This was introduced on 12th May 2020, for a new India, in a year with lots of ups and downs.
- Taking the example of our honorable Prime Minister Shree Narendra Modi, in the present pandemic, he has once again brought to the forefront with our commitment to address challenges of life with thrust on our own capabilities and abilities.
- Another name for Atmanirbharta muhim is "SWATANTRATA BHARAT CAMPAIGN"
- The primary aim of this package is to make the country independent and combat the competition in the global market.
- It is also helpful in filling the gap between demand and supply.
- Main motive of this scheme was to make India self-reliant so that we can minimize the import of at least small things.
- The slogan for Atmanirbhar Bharat is – "VOCALS FOR LOCAL" ...
- Atmanirbhar Bharat can be defined as – THE STATE OF THE WORLD TODAY, TEACHES US THAT, SELF RELIANT INDIA IS THE ONLY PATH.....
- As said in our scriptures as well ESHAPANTHAH – that is, self-sufficient India...



Anvi Sharma Class – 8th
Suraj School Sec – 75 GGN

Sabka saath, sabka vikaas, sabka vishwas and sabka prayaas is important in our journey of ATMANIRBHAR BHARAT.....

AATAMNIRBHAR BHARAT



Krish 10sp2
Suraj School Rewari

Aatamnirbhar Bharat was the centerpiece of Prime Minister Narendra Modi Independence Day address as he presented a broad outline for spurring India grown in diverse sector and asserted that the Corona virus pandemic cannot hold the country March forward self-reliance In his seventh straight Independence Day speech from the ramparts of Red Fort on Saturday Modi also delivered a warning to India hostile light neighbors saying the armed force have given a befitting reply to those who challenged the country sovereignty from LOC to LAC in their own language

"AATMANIRBHAR BHARAT"

Aatmanirbhar means 'self-relevant'. The aim is to make the country and its citizens Independent and self-relevant in all senses. It further outlined five pillars of Aatmanirbhar Bharat -economy, infrastructure, system, vibrant demography and demand. India is emerging as a strong, self-sufficient and self-relevant nation with enormous opportunities. The Aatmanirbhar Bharat Abhiyan is the mission started by the government of India on 13th May 2020 towards making India self-reliant. The Aatmanirbhar Bharat Abhiyan package focuses on land, labour, liquidity and laws, which will cater to various sections including cottage industry, MEMEs, labours, middle class and industries among others. According to Government, self-reliance does not advocate a self-centered protectionist system. The government has said self-relevant India does not mean cutting off from rest of the world. However, some have called Aatmanirbhar Bharat as a repackaged version of the make in India drive using new techniques such as focal for local. Some opposition members have spoken about how India had enacted policies and built companies since its creation to make India self-relevant for steel production, IITs for domestic, engineers, AIIMS for medical science, DRDO for defense research, HAL for aviation, ISRO for space, CCL, NTPC and GAIL in the area of energy, for example these politicians have criticized the so-called did advertising tactics in the repackaged scheme. Some have also panned the scheme ve-phrased as 'fend for yourself' campaign.



Mahak Yadav 10th SP2
Suraj School Rewari

Atmanirbhar Bharat



Suraj School Rewari

Atmanirbhar Bharat scheme was launched on 12 May, 2020, by the Prime Minister Narendra Modi. The scheme will run under the Ministry of Finance, Ministry of Defense, Ministry of Health, and Ministry of Electronics & IT. The main motive of this scheme was to make India self-reliant so that we can minimize the import of at least small things. It was

launched to increase to step into self-development through their talent and knowledge. PM Modi defines Atmanirbhar Bharat as "The state of the world today teaches us that (Atmanirbhar Bharat) "Self-reliant India" is the only path. The slogan of Atmanirbhar Bharat 'Vocal for Local' which means raise your voice for Local products because a famous brand was also local someday. The main reason behind this scheme was Covid-19 in which many people lost their jobs and laborer too. A package of 20 lakh crore rupees was announced in the scheme to help people



Aatmanirbhar Bharat

Aatmanirbhar Bharat (Devanagari: आत्मनिर्भर भारत, ISO: Āatmanirbhara Bhārata) which translates to 'self-reliant India', is a phrase used and popularized by the Prime Minister of India Narendra Modi and the Government of India in relation to the economic vision and economic development in the country. In this context, the term is used as an umbrella concept with regard to making India a larger and more involved part of the world economy, pursuing policies that are efficient, competitive and resilient, that encourage equity, and being self-sustaining and self-generating. The English phrase has been used by Modi since 2014 in relation to national security, poverty and digital India. The first popular mention in Hindi came in the form of the 'Aatmanirbhar Bharat Abhiyan' or 'Self-Reliant India Mission' during the announcement of India's COVID-19 pandemic related economic package in 2020. Since then phrase has been used across ministries such as the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, the Ministry of Education and the Ministry of Defense in relation to press releases, statements and policies. The phrase has also been used by the government in relation to India's new National Education Policy and the 2021 Union Budget of India. The concept under the premiership of Narendra Modi has been adapted from previous explanations and usages of the concept in the Indian sub-continent.

The swadeshi movement was one of India's most successful pro-independence movements. Self-reliance as a phrase and concept has been used by the country's former Planning Commission in multiple Five-Year Plans of India between 1947 and 2014. Commentators have noted that India has been enacting policies and building institutions that promote self-reliance since the day it was created. Private companies and their products have been considered as fine examples of self-reliance in India encompassing sectors such as beverages, the automotive sector, cooperatives, the financial services and banking sector and the pharmaceutical and biotechnology sector.



AVINASH ARYA 7 SHINE 3
Suraj School Rewari

AATM NIRBHAR BHARAT



DIKSHA, 8th SHINE 1
SURAJ SCHOOL REWARI

Meaning of Aatm Nirbhar Bharat? "Aatm Nirbhar" which is a Hindi word meaning in English is "Self Reliant" which also refers less dependency on others or don't be dependent of others. Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India. It is actually the vision of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji to make India and Indians self reliant by starting production of all mandatory items locally. This economic package will cater to the needs of various sections including small businesses, textile industry, domestic industry, laborers, MSMEs. With this, the Prime Minister said that the time has

come to make India self-reliant. For this, he called for using local products, promoting and making them global. For this, he gave the Slogan "Vocal for Local". Benefits of Aatmanirbhar Bharat Abhiyan There are many benefits to being a self-reliant nation. Not only industries will grow but also unemployment will be eliminated. This will ensure that the poverty rate will decline and the nation's economy will strengthen up. India's self-reliance will benefit the entire country and every citizen of the country. The first advantage will be that we will not have to depend on other countries for the things we need. The Aatmanirbhar Bharat Abhiyan package aims to make local products global and help Indian companies compete in global supply chains. A reduction in imports will save foreign exchange. We can earn more and more foreign exchange by exporting additional goods.

Conclusion Due to the Coronavirus epidemic, the trade of goods and migration of people was disrupted and, as a result, many countries began preparing for future epidemics to diversify supply chains and make themselves Aatmanirbhar.

Atmanirbhar Bharat

A new scheme for a new India, it is a year with lots of ups and downs and there are many new things to see and feel this year. It is a hard time for not only us, but also for the nation different countries are trying their best to develop their nation because everyone got affected this year due to corona epidemic our honorable Prime minister also launched a new scheme named as Atmanirbhar Bharat.

Many of us can directly avail of the scheme and Modi, JP in his speech announced that This economic package is for our cottage industry, come industry, our small scale industry, our MSMEs, which is a source of live-earned for millions of people, which is the strong foundation of our road to a self-reliant India, This clearly indicates that most of all the industries can directly be a part of this scheme. This scheme also encourages our youth to develop their own business and develop new job for others.

Our development educates the development of our nation, so we should try our best for developing ourselves. The government can only launch a scheme but it is our duty to bring it into action. Many of us simply live to have a job because life is risky sometimes. But we get out of our comfort zone and try something we are getting such a good opportunity.



Simran 7th N1
Suraj School
Sec-75 Gurugram

आत्मनिर्भर भारत

प्रावो से एसी प्यारा हमको
भारत देश हमारा है,
सहनत से आगे बढ़ना
यह हमारे देश का नारा है।
जई बुलन्दीयो तक पहुँचना देश को
यह कृतव्य हमारा है।
आज मिलकर हमें इस भारत को
आत्मनिर्भर बनाना है।
मुश्किल समय से उठकर चलना
यह प्रण आज हमारा है।
चारो ओर फैली इस सहायारी से
देश को विकसित बनाना है।
हम भारतवासी की पहचान यही है
फिर से भारत की हमें
सहनत और लजब के बल पर
सर्वश्रेष्ठ बनाना है।



Simran 7th N1
Suraj School
Sec-75 Gurugram

Bhagat Singh was a prominent freedom fighter in the Indian independence movement. He was born on September 28, 1907, in Lyallpur, India, to a Sikh family. Bhagat Singh's father and uncle were freedom fighters, which inspired him to join the movement. He devoted his life to the Indian independence movement at the age of thirteen.

Aditya Soni Class - 5th B
Suraj School Sec 75 Gurgaon

Atmanirbhar Bharat

Atmanirbhar Bharat (transl. Self-reliant India) is the vision of the prime minister of India Narendra Modi of making India a self-reliant nation. The first mention of this came in the form of the 'Atmanirbhar Bharata Abhiyan' or 'Self-Reliant India Mission' during the announcement of the coronavirus pandemic related economic package on 12 May 2020. Aap Sabhi ko bata den ki PM Modi dwara goshan kiye gye Aatmanirbhar Bharat Abhiyan Yojna ka mukhya udeshya 130 Crore Bharat Vasiyon ko Aatmanirbhar banana hai, Taki desh ke har nagrik is sanket ki ghadi me kadam se kadam milakar chal sakin Aur Sankarman Mahamari ko harane me yogdan de sakin.



Akanshi dayma
Class 7
Suraj School Sec - 75

Atmanirbhar Bharat

As we all know Atmanirbhar Bharat scheme was launched on 12 May 2020, by the prime minister Modi. The main motive of this scheme was to make India self-reliant India so that we can minimize the impact of at least small things. PM Modi defines Atmanirbhar Bharat as "The state of the world today teaches us that (Atmanirbhar Bharat) 'Self-reliant India' is the only path. The slogan of Atmanirbhar Bharat is 'vocal for local' which means raise your voice for local products because a famous brand was also local someday. The main reason behind this scheme was COVID-19 in which many people lost their jobs. A package of 20 lakh crore rupees was announced this scheme to help people.



Shivani 7th N1
Suraj School Sec - 75

"AATAM NIRBAR BHARAT"

"VOCAL FOR LOCAL"

- "In Our Pride, India is our Mother, We will adopt Swadeshi and Celebrate Swadeshi and make India self-sufficient."...
- "Come together and adopt Swadeshi. Make India self-sufficient by adopting Swadeshi."
- "We all have to be determined, make India self-sufficient."
- "The development of each one is the identity of a self-India."



"BRAIN DRAIN TO BRAIN" Suraj School Rewari

Atmanirbhar Bharat Abhiyaan or Self-reliant

India campaign is the vision of new India envisaged by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. On 12 May 2020, our PM raised a clarion call to the nation giving a kick start to the Atmanirbhar Bharat Abhiyaan (Self-reliant India campaign) and announced the Special economic and comprehensive package of INR 20 lakh crores - equivalent to 10% of India's GDP - to fight COVID-19 pandemic in India.



Dixit 9th A1 | Suraj School Rewari

Atmanirbhar Bharat Abhiyaan or Self-reliant

India campaign is the vision of new India envisaged by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. On 12 May 2020, our PM raised a clarion call to the nation giving a kick start to the Atmanirbhar Bharat Abhiyaan (Self-reliant India campaign) and announced the Special economic and comprehensive package of INR 20 lakh crores - equivalent to 10% of India's GDP - to fight COVID-19 pandemic in India.

The aim is to make the country and its citizens independent and self-reliant in all senses. He further outlined five pillars of Aatma Nirbhar Bharat Economy, Infrastructure, System, Vibrant Demography and Demand. Finance Minister further announces Government Reforms and Enablers across Seven Sectors under Aatmanirbhar Bharat Abhiyaan.

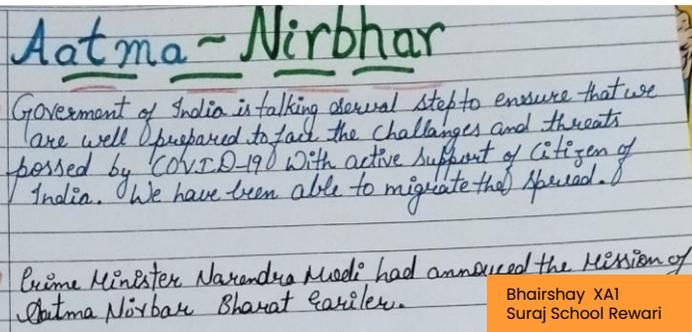
The government took several bold reforms such as Supply reforms for Agriculture, Rational Tax System & Clear Laws, Capable Human Resource and Strong Financial System.

[-]

Name - Naitik Gaur



Suraj School Rewari



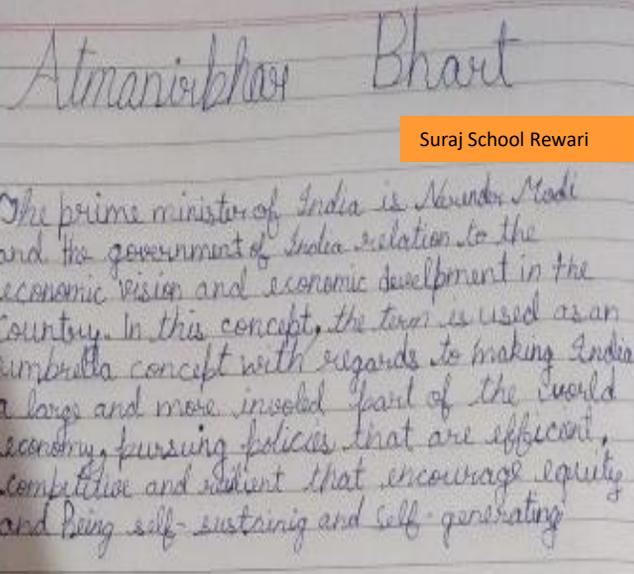
Bhairshay XA1 Suraj School Rewari

Aatmanirbhar

I realize now that I am alone.
 On myself I must learn to be confident.
 I have to begin to stand on my own.
 If I felt I will continue trying.
 I can ask others for their opinion.
 But ultimately it's I who will decide.
 I will be the ruler of my dominion,
 Determining which road I will take
 with my satisfaction and joy.
 Though, some may disagree with the choice.
 And people in abuse, raise their voices,
 Thinking they know a better path to take.
 It's to me my destiny to
 make. By begin true to
 myself, I begin, To learn how
 to stand alone: how to win.



Ayushi 9th N2 | Suraj School Sec-75



Suraj School Rewari

“Aatm Nirbhar”

How could anyone be Aatm Nirbhar in their life

What is “Aatm Nirbhar”?

It means depending on myself, my power or my resources than on others to accomplish what I want or need. In short being “Independent” or “Self-dependent”

Why should I be “Aatm Nirbhar”?

Since it is a great skill to live my life as I don't have to depend on anyone to get what I want and also because I might not be able to reach out to my support system like my parents or teachers every time to help me take a decision.

How can I be “Aatm-Nirbhar”?

1. I take responsibility
 - I relied on my parents to wake me up every morning so that I can get ready on time to go to school, it's time to make friends with alarm clock and get up on my own every single day.
 - If I notice my room is looking messy, I will clean it up than waiting for my mom to do it for me.
 - If I am unable to do well in class, I will study more and harder than blaming the teacher or the textbook.
2. I explore Instead of always asking for a solution or readymade answer, I will try to figure things on my own as experience is my best teacher. It will give me a chance to learn and expand my knowledge. When I can't go any further is when I will reach out to my parents/teachers/elders to help me with their advice and then ask better questions to use them next time.
3. I know what I want I want to be an astronaut. However, I know I need to be good at studies and be best at learning what is taught to me at school. So, I strive to study, understand and be best in class every single day. My Simple steps are to do well in class, complete my homework with little or no help, do well in every tests/exams. And then one day I will be ready to become what I want.
4. I make my own decisions
 - I will let my parents know my likes and dislikes e.g. which Ice-cream flavor I want, which movie I want to watch.
 - I will tell them what I want to learn like I love skating and swimming. So I will ask them to help me learn that.
 - I love to play in snow so I tell them the destination I want to go for Vacation.



SELF DEPENDENT

Nothing completes "YO" Expect "U"



'Self dependent ' or 'aatam nirbhar' the word itself explain its meaning - self reliant. Having self reliance is important for several reasons. The most obvious is that depending on others for help means there will be times when it's not available ..so it helps that you can solve problems, and make decisions by yourself. Its not only gives a chance to live with your own ideas but also increases your self confidence. It also turns you into a strong asset towards your family and country which enhances your reputation. It has lots of benefits .And the most important point comes that it gives us a way of financial freedom. At last be self dependent because even your shadow leaves you when you are in darkness.

AATAM NIRBHAR BHARAT

AATAM NIRBHAR BHARAT ABHIYAN

Atmanirbhar Bharat which translates to 'self-reliant India', is a phrase used and popularized by the Prime Minister of India Narendra Modi and the Government of India in relation to the economic vision and economic development in the country. Atmanirbhar Bharat which translates to 'self-reliant India', is a phrase used and popularized by the Prime Minister of India Narendra Modi and the Government of India in relation to the economic vision and economic development in the country. Atmanirbhar Bharat which translates to 'self-reliant India', is a phrase used and popularized by the Prime Minister of India



Naved Khan 6A1
Suraj School Sec-56

Narendra Modi and the Government of India in relation to the economic vision and economic development in the country

WHY WAS AATAM NIRBHAR BHARAT INTRODUCED?

In order to regain the strength of the economy in the global market with self-reliance, the Indian government launched the Atmanirbhar Bharat Abhiyaan.

WHAT ARE THE SCHEMES LAUNCHED UNDER AATAMNIRBHAR BHARAT ?.

The Government will launch the PMMSY for integrated, sustainable, inclusive development of marine and inland fisheries. Rs 11,000 crore for activities in Marine, Inland fisheries and Aquaculture and Rs. 9000 crore for Infrastructure - Fishing Harbors, Cold chain, Markets etc. shall be provided.



AATM NIRBHAR BHARAT



"Atma Nirbhar everyone " or" Atma Nirbhar Bharat" (self - reliant India) said the call for has captured people's imagination and become a "mantra" for everyone as pushed for raising India's share in global economy .The prime minister of India has said in his address to the nation on the occasion of India's 74th Independence Day on Red Fort and asked for a self - reliant of citizens. He said became a challenge to forces of expansionism while attempts were made For hundred of years by various rulers to root out India 's culture and traditions .

Atmanirbhar Bharat Abhiyan is important of package to make the country independent and the competition in the global market . It is also helpful in filling the gap between demand and supply of essential goods and services in the present critical situation .



Saloni BA 3rd semester
Degree College Gurgaon

AATMNIQBHAR EVERYONE



Hitanshi Yadav | Grade 6N1
Suraj School, Sec 75

It is a very famous proverb that "need is the mother of invention", like this Aatm Nirbhar Bharat is need of hour for Indian economy as well as for all Indians during pandemic COVID-19. Aatm Nirbhar Bharat is not only a term but it is a vision of our Prime Minister Shri Narendra Modi to enable India to overcome from this difficult time during pandemic COVID-19 which is never earlier seen.

WHAT IS THE MEANING OF AATMNIQBHAR?

"Aatm Nirbhar" which is a Hindi word meaning in English is "Self Reliant" which also refers less dependency on others or don't be

dependent of others. Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India. It is actually the vision of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji to make India and Indians self reliant by starting production of all mandatory items locally. Vocal for Local is also integral of Aatm Nirbhar Bharat Abhiyan.

AATMA-NIRABHAR

means self dependent. It is most important because it means you can solve problems and make decision by yourself. Self dependent is about learning to better understand why you feel what you feel and why you behave in a particular way. We have rapid growth in equity, sustainability, cooperation and security so_, we have been lagging in productivity and self-empowerment. These two pillars are together called self-dependence. We have to be self dependently hardworking and do our best in the examination by obtaining good marks. We have become capable enough to take responsibility endwise decisions in your life.



Jhalak Bhardwaj 10th SP2
Suraj School Rewari

AATMA NIRABHAR



Rajan Yadav, 10th Sp2
Suraj School Rewari

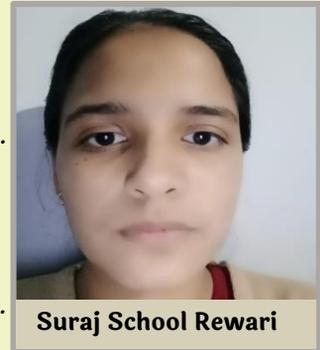
'Aatmanirabhar means to be self reliant, which means that no one should be Depend on any other person in the world for their success in life. In other words we can say that we should not expect help from any other for our livelihood person should be self- dependent and self-confident, a person who depend son another person can never do progress in their life Every one should be Aatmanirabhar because when you have to do progress in your life, no one will on anyone come there for you, we

should not be dependent for our progress and our Prime Minister have also started a campaign of Aatmanirabhar Bharat which means that India should not be depend on another countries and will grow more being Aatmanirabhar



ATMANIRBHAR BHARAT

- ★ ATMANIRBHAR BHARAT scheme was launched on 12 may 2020 , by the prime minister Narendra Modi .
- ★ This scheme will run under the ministry of finance, ministry of Defense , Ministry of Health , and Ministry of Electronics and IT .
- ★ The main motive of this scheme was to make India self - reliant India' so that we can minimize the import of at least small things .
- ★ It was launched to encourage Indians to step into self - development through their talent and knowledge.
- ★ PM Modi defines ATMANIRBHAR BHARAT as " The state of the world today teaches us that (ATMANIRBHAR BHARAT)" Self - reliant India' is the only path .
- ★ The slogan of ATMANIRBHAR BHARAT is ' vocal for local' which means raise your voice for local products because a famous brand was also local someday .
- ★ The main reason behind this scheme was COVID - 19 in which many people lost their jobs and laborers too .
- ★ A package of 20 lakh crore rupees was announced in this scheme to help people .



Aatmnirbhar Bharat Abhiyan

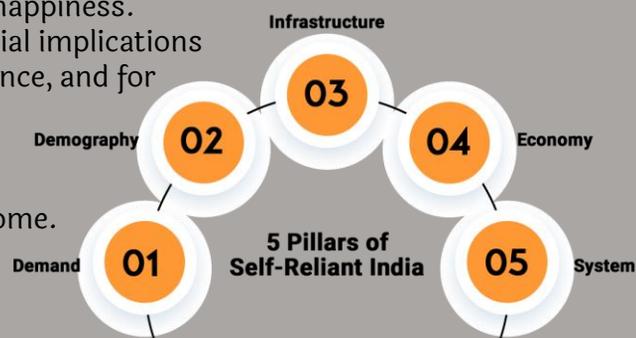
Meaning of Aatm Nirbhar Bharat? "Aatm Nirbhar" which is a Hindi word meaning in English is "Self Reliant" which also refers less dependency on others or don't be dependent of others. Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India.

Atmanirbhar Bharat Rodger Yojana" is being launched to boost employment in formal sector and incentivize creation of new employment opportunities during the Coved recovery phase under Atmanirbhar Bharat Package 3.0.The scheme is to be operational for the period 2020-2023. 'Garb Kaylan Rodger Aiyana' is a massive rural public works scheme of Government of India to empower and provide livelihood opportunities to the returnee migrant workers and rural citizens. The Abhiyaan was launched on 20th June, 2020 from Village - Telihar, Block- Baldur of Chavarria District of Bihar.

AATM NIRBHAR (SELF-RELIANCE)

Aatm nirbhar is the ability to do things and make decisions by yourself, without needing other people to help you, Self-reliance means developing the right skills and capabilities to-do one's activities without depending on outside support. Self-Reliance is an important source of strength and energy. Self-reliance is all that it sounds like plus considerable more. Even though Ralph Waldo Emerson may not have introduced the concept, it was he who brought it to the general public with his 1841 essay SEL-MELIANCE. In positive psychology, self-reliance has strong theoretical significance thanks to its implications for happiness.

You'll probably notice some overlap, or at least potential implications for self-worth, self-expression, self-knowledge, resilience, and for self-acceptance. So, it's not about doing everything yourself. It's not about being financially independent, either. And it's certainly not about shouldering every hardship you face all your on lonesome.



Atmanirbhar Bharat Scheme was launched on 12 May 2020, by the Prime Minister Narendra Modi.

The Scheme will run under the Ministry of Finance, Ministry of Defence, Ministry of Health, and Ministry of Electronics and IT

The main motive of this scheme was to make India self-reliant India so that we can minimize the import of at least small things.

Name, Divesh

Class, 3 a1



Suraj School Rewari

शिक्षक

बच्चों के भविष्य को,
शिक्षक सजाता है।
ज्ञान के प्रकाश को,
शिक्षक जलाता है।
सही-गलत के
फर्क को,
शिक्षक बताता है...

Raxit rana
3A1



Suraj School Rewari

आत्मनिर्भर भारत

- आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है स्वयं पर निर्भर होना, यानि खुद को किसी और पर आश्रित न करना।
- भारत की कला और संस्कृति को देखते हुए यह बात स्पष्ट होती है कि भारत प्राचीन काल से ही आत्मनिर्भर रहा है।
- आत्मनिर्भरता की श्रेणी में खेती, मत्स्य पालन, आंगनवाड़ी में बनाई गयी सामाग्री इत्यादि अनेक प्रकार के कार्य है।
- यदि हमारा भारत आत्मनिर्भर बनता है तो देश को इससे कई सारे फायदे होंगे।
- आत्मनिर्भर भारत से हमारे देश में उद्योगों की संख्या में वृद्धि होगी।
- हमारे देश में रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे।
- इससे भारत की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत हो सकेगी।
- देश में स्वदेशी वस्तुओं का निर्माण कर देश की तरक्की को शीर्ष तक ले जाने में सहायता मिलेगी।



Suraj School Rewari

Atamnrhbhar India

Atamnrhbhar India means to self relivant .
self relivant means that no-one should depend on others for our success in the life .

In other words it means that we should not expect any help from the others .

A person who depend on others can never be success in the life.

A person should be self-dependent and self-confident.

COME TOGETHER
AND BRING SWEDESI
MAKE INDIA SELF
SUFFICIENT



Garima
Class-3rd SP1
Suraj School Rewari

आत्मनिर्भर भारत

आओ भारत को आत्मनिर्भर बनाए,
हर दृष्टि से इसे शक्तिशाली बनाए,
जो इसके विकास में रोड़ा अटकाए,
उसे हर तरीके से हम उसे समझाए।

आओ भारत को ऐसा देश बनाए,
सुंदर, सजग, सशक्त व सरल बनाए,
जो देखे इस देश को कुदृष्टि से,
उसको सब मिलकर दृष्टिहीन बनाए।

आओ हिंदी को सबकी भाषा बनाए,
इसे बोलचाल की हम भाषा बनाए,
जिनको नहीं आती हो हिंदी भाषा,
उनको हम हिंदी भाषा सिखलाए।



मुकुल यादव
10th A-1

Suraj School Rewari

भारत हमारी माता है इसकी शान में हम स्वदेशी अपनायेगे स्वदेशी अपनाकर मनाकर भारत को आत्मनिर्भर बनायेगे..

2.

आओ सब मिलकर स्वदेशी अपनाये. स्वदेशी अपनाकर भारत को आत्मनिर्भर बनाये.

3.

हम सबने ठाना है, भारत को आत्मनिर्भर बनाना है.

4.

भारत की हो अपनी पहचान. यही है हमारे आत्मनिर्भर होने की पहचान.

5.

भारत की हो अपनी पहचान. यही है हमारे आत्मनिर्भर होने की पहचान.

6.

भारत का हित, आत्मनिर्भर होने में है नि



Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India. It is actually the vision of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji to make India and Indians self reliant by starting production of all mandatory items locally.

Suraj School Rewari

आत्म निर्भर भारत
3rd A1 Mannat

Ayush Class - 3rd A1
Suraj School Rewari



ATMANIRBHAR BHARAT MISSION

Follow

The economic crisis triggered by the coronavirus pandemic in 2020 gave birth to the Atmanirbhar Bharat Abhiyan. While the idea was first proposed by Prime Minister Narendra Modi, some of its features are similar to the Swadeshi movement launched on August 7, 1905, to take on the British regime of the time.

What is Atmanirbhar Bharat Mission?

Atmanirbhar means 'self-reliant'. On May 12, Prime Minister Narendra Modi announced in his address to the nation an economic package of Rs 20 trillion to tide over the coronavirus crisis under the Atmanirbhar Bharat Abhiyan. He said the economic package would play an important role in making India 'self-reliant' and that it would benefit labourers, farmers, honest tax payers, MSMEs and the cottage industry. He said making the country self-reliant was the only way to make 21st century belong to India. According to the government, it is not protectionist in nature.

Suraj School Rewari

(ATMANIRBHAR BHARAT)

Atmanirbhar Bharat or self-reliant India recalls Gandhi ji's Swadeshi act during the British rule. It should not be taken in other way by diversifying international trade. Rather it would make India to strengthen its own domestic industry by streamlining the government system and go for beyond it. We can say Swadeshi movement and self-reliant are two sides of the same coin, that would develop the economic condition of India in a globalized world.

Presently our prime-minister Narendra Modi has declared that India should be self-reliant to make free from development rather than reputation, which is presently done by China. In order to make self-reliant India, our government has to ensure abundant factories and industries of the things that were imported for domestic use, like modern equipments for food crops, cell phones, clothes, domestic and electronic appliances and minerals. The surplus production of the economic graph. In alternate it can import ammunition for our country to save guard the border. In the part of education our country should be more satisfied to bring up talented fellows, who can make India self-reliant and prosperous.

Suraj School Rewari

AATMNIQBHAR BHARAT ABHIYAN



Chitra Dagar 7th A
Suraj School Rewari

Meaning of Aatm Nirbhar Bharat? "Aatm Nirbhar" which is a Hindi word meaning in English is "Self Reliant" which also refers less dependency on others or don't be dependent of others. Aatm Nirbhar Bharat is basically a term formulated at the time of pandemic COVID-19 in India. Atmanirbhar Bharat Rozgar Yojana" is being launched to boost employment in formal sector and incentivize creation of new employment opportunities during the Covid recovery phase under Atmanirbhar Bharat Package 3.0. The scheme is to be operational for the period 2020-2023.

'Garib Kalyan Rojgar Abhiyaan' is a massive rural public works scheme of Government of India to empower and provide livelihood opportunities to the returnee migrant workers and rural citizens. The Abhiyaan was launched on 20th June, 2020 from Village - Telihar, Block-Beldaur of Khagaria District of Bihar.

Aaj ka Bharat (Self-Reliant India)

In our country India, self-reliance does not mean the boycott of international trade. India is seriously engaged with the region and the world, but at the same time we need to uplift our domestic industries by streamlining the governance system and go far beyond than the amendments and announcements. Swadishi should not be considered as isolation. Mahatma Gandhi's swadeshi movement and self-reliance were two sides of the same coin that can find currency in a globalized world.

Make In India itself is founded on the idea of Atma Nirbhar. First, we need to produce things in India instead of importing the goods from other countries.

Our Prime Minister Shri. Narendra Modi ji, in his most recent address to the nation on 12 May 2020, said that it is necessary to convert the coronavirus pandemic crisis into an opportunity for each and everyone of us. We all should come forward in making of our country India "self-reliant".

We can support our country by becoming self-reliant and can change the coronavirus pandemic phase into an opportunity for us. We need to start producing the things in our country itself through small and large scale productions. We can support the government of our country by contributing into "PM CARES FUND" as this money is required and will be helpful to fight with the crisis caused due to coronavirus in our country. We need to follow all the rules and guidelines setup by the government of India with keeping in mind the social distancing formula. Then, only we will be able To prevent yourself from this pandemic and can prevent the spread of coronavirus in our country.



Suraj School Rewari

AATMA NIRBHAR BHARAT

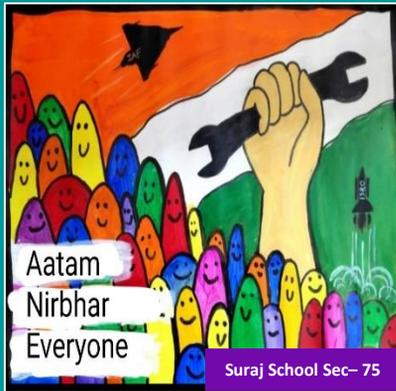
It is a very famous proverb that you need is the mother of invention like this Aatma Nirbhar Bharat is need of hour for Indian economy as well as for all Indians during pandemic covid-19.

Aatm-Nirbhar Bharat is not only a tem but it is a vision of our Prime Minister Shri Narendra Modi to enable India to over come from this difficult time during pandemic covid-19 which is never earlier seen. to make Aatm-Nirbhar Bharat Abhiyan more successful India government has announced bailout packages and support package to various sectors to increase liquidity Shri Narendra Modi announced to economic package along with various packages. these packages was expected during the lockdown was around 283.73 billion which is about 10 per cent of India's GDP.

ART GALLERY



Deepika Class – 8th N3
Suraj School Sec – 75



Aatam
Nirbhar
Everyone

Suraj School Sec-75



Drishti Class – 8th SP
Suraj School Mahendragarh



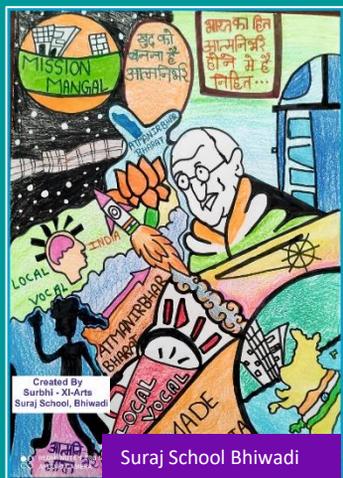
Suraj School Bhiwadi



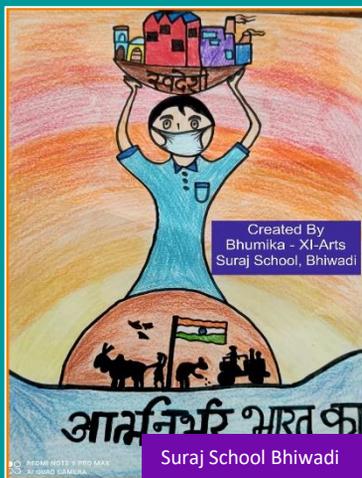
Suraj School Bhiwadi



Preeti | Class – 9th N1
Suraj School Sec-75



Suraj School Bhiwadi



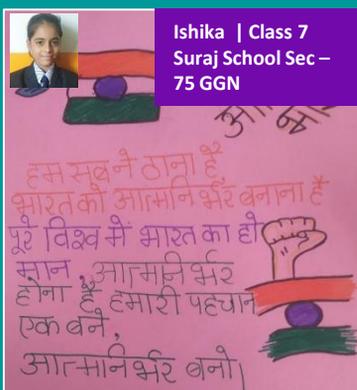
Suraj School Bhiwadi



Suraj School Sec-75



Suraj School Rewari



Ishika | Class 7
Suraj School Sec – 75 GGN



Suraj School Mahendragarh



Suraj School Rewari

Atma Nirbhar Bharat



Tranche 1: Rs 5,94,550 crore

Funding and loan guarantees for MSMEs, NBFCs/HFCs, discoms, contractors, real estate and salaried workers.



Tranche 2: Rs 3,10,000 crore

Focus on migrant workers, small farmers, street vendors and the poor.



Tranche 3: Rs 1,50,000 crore

Focus on agriculture and allied activities like dairy, animal husbandry and fisheries.



Tranche 4: Rs 48,100 crore

Focus on 8 critical sectors: Coal, Minerals, Defence production, Airspace management, Social Infrastructure projects and Power Distribution companies.



Priyanshi 9th A3 | Suraj School Rewari

Aatmanirbhar Bharat or Self-Reliant India

India got Independence on August 15, 1947, by uprooting the foundation of British rule. British ruled over India for about 200 years. But now it has been seven decades since India became Independent.

Prime Minister Narendra Modi announced the Aatmanirbhar Bharat Abhiyan or Self-reliant India Mission. During the announcement of the Coronavirus pandemic-related economic package on 12 May 2020 with a special economic and corporate tax package of Rs. 20 Lakh crores or 10% of India's GDP in 2019-2020, announced for achieving this mission.



Name- Anjali
Class- 9th A1
Roll no- 12



Suraj School Rewari

Self-dependent

A Self-dependent person depends on his own brain, power, capacity, resources, and prudence. Therefore, he is master of his fate and fortune. He shapes his own course of events and is never a slave of circumstances. Equipoise, confidence, alertness, perseverance and patience are his sure tools with which he carves out success and happiness. Such a person is firm, prompt in action, decisive, bold, self-possessed and ever ready to face any challenge anytime, while others are much handicapped and doubtful starters. They lack self-confidence, independence of judgment and action. Success is the sweetest when earned with one's own sweat, labour, perseverance and resources. Fruits of success wouldn't taste as sweet if achieved with the help of others. One can never run fast with crutches. Dependence on others is like working with crutches. The lesson of self-reliance is one that all young men and women should learn and imbibe if they want to succeed in life. It never means that he or she should not take into consideration the advice and counsel of their friends, well-wishers and elders. Self-help also never means not learning from the experiences of others. It only means that one should not depend on these nor should they be ever expected. One may accept co-operation, and guidance, etc. when willingly offered but, "God helps those who help themselves" should always be their guiding principle and light.

SELF-DEPENDENT INDIA

Name- Meenakshi
Class- 9th A1
Roll no- 12



Suraj School Rewari

Trust your instincts
Form your own opinions
Make good choices

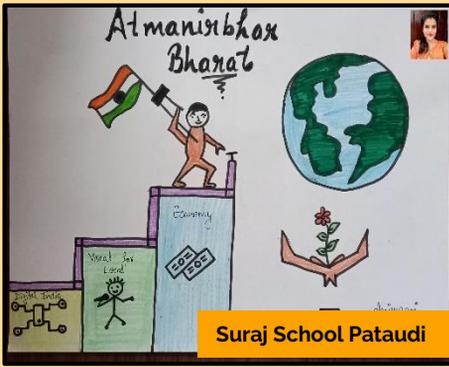
SELF - RELIANCE

I am thankful to all those who said 'NO' to me.
It's because of them I did it myself - Albert Einstein

Suraj School Rewari



Suraj School Pataudi



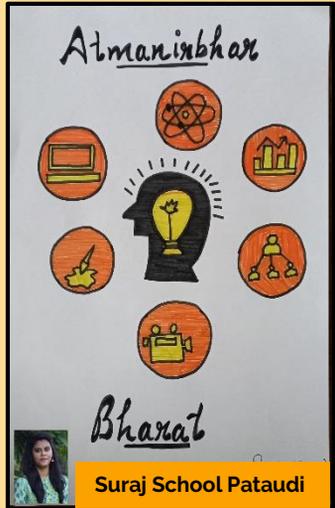
Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi



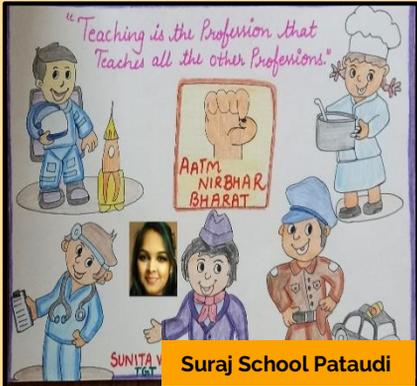
Suraj School Pataudi



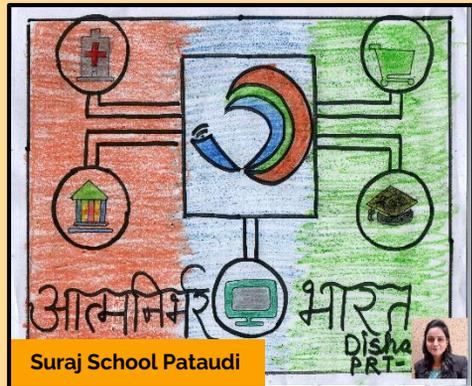
Suraj School Pataudi



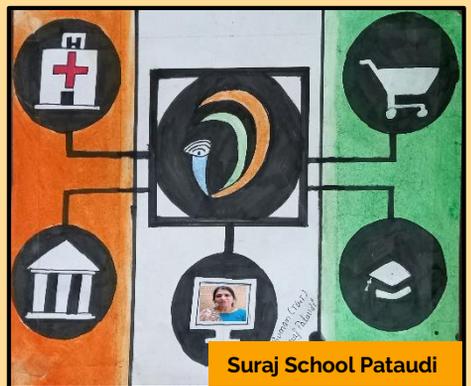
Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi



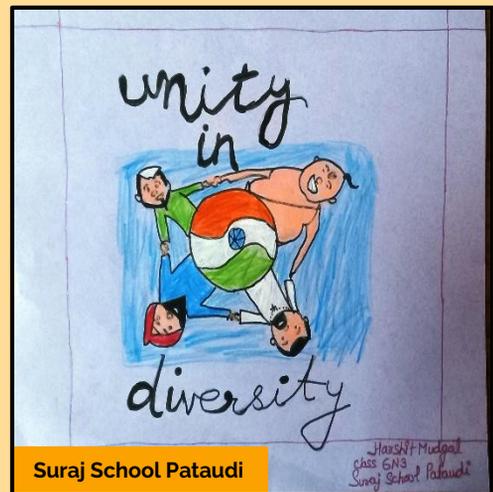
Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi



Suraj School Pataudi

Hanshi Mundial
class 6NS
Suraj School Pataudi

SUDOKU PUZZLE

HOW TO PLAY SUDOKU

The goal of Sudoku is to fill in a 9×9 grid with digits so that each column, row, and 3×3 section contain the numbers between 1 to 9. At the beginning of the game, the 9×9 grid will have some of the squares filled in. Your job is to use logic to fill in the missing digits and complete the grid. Don't forget, a move is incorrect if:

- Any row contains more than one of the same number from 1 to 9
- Any column contains more than one of the same number from 1 to 9
- Any 3×3 grid contains more than one of the same number from 1 to 9

7	9	4		8	6	3	1	
1		2			3		8	9
	5			9	2			
			7	5		1	2	
		7	3				9	6
	4			1				
4	3						5	1
			9			6		
		1		3	5			

हल 15th Puzzle

1	4	7	9	8	6	5	3	2
5	2	9	3	1	4	8	6	7
3	8	6	2	7	5	9	1	4
7	9	8	4	6	1	2	5	3
6	1	5	8	2	3	7	4	9
2	3	4	7	5	9	1	8	6
9	5	1	6	3	2	4	7	8
8	6	2	5	4	7	3	9	1
4	7	3	1	9	8	6	2	5

Did You Know?



The Calliope **Hummingbird**, Canada's smallest bird, breeds in dry, open mountain woodlands and shrublands.

Please Send All Quiz Answer
at : +91-9811590519
editor@surajschool.com

Hindi Crosswords Puzzle

बाएँ से दाएँ

4. जिसके उच्चारण में फेफड़ों से आती वायु नासिका विवर से न निकले; अनुनासिक का विपर्याय।
5. 1. जिसमें फल न लगे हों; फलरहित वृक्ष 2. निष्फल; परिणामरहित।
6. नाखून से खोटना या नोचना; नाखून से काटना।
7. अनुच्छेद; (पैराग्राफ़ का संक्षिप्त रूप)।

	1		2		3
4					
		5			
6					
				7	

ऊपर से नीचे

1. 1. चलते-चलते किसी स्थान पर रुकना; थमना 2. किसी की प्रतीक्षा में धैर्यपूर्वक एक स्थान पर बैठे रहना 3. निश्चित या पक्का होना 4. डेरा डालना 5. किसी प्रकार की क्रिया; चेष्टा या व्यापार से रहित या हीन होना 6. गतिशील व्यक्ति; वस्तु का कहीं ठहर जाना 7. मादा का गर्भवती होना; जैसे- गर्भ ठहरना।
2. 1. फलयुक्त होना 2. सुख-सौभाग्य युक्त होना।
3. 1. चुनचुनाहट; खुजली 2. जलन के साथ होने वाली पीड़ा 3. चिनगारी।
5. 1. आघात लगना

DID YOU KNOW?



Birds need gravity to swallow, they can't chew. So if you take a bird in outer space, die of hunger.

हल 15th Puzzle

	1 शु		2 झ		3 स
4 मे	जा		न		ना
	5 अ	भि	क	धि	त
	त		म		न
		6 मा	न	स	
	7 जी	र	क		
		ना			

Please Send All Quiz Answer
at : +91- 9811590519
editor@surajschool.com

Parents, guardians, anyone can submit their articles for school magazine. Education Institutions, Individual can also subscribe e-magazine “**Urja**”. Yearly subscription is available at printed price, however its free for Suraj School Students. Anyone can subscribe and can advertise in the school magazine. For your suggestions, subscription, feedback, complaint etc. please write to us at **editor@surajschool.com**

Thank You

Designed By Web4bharat
(+91- 9266331234)
www.urja.surajschool.com